Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 37 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 18 जुलाई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

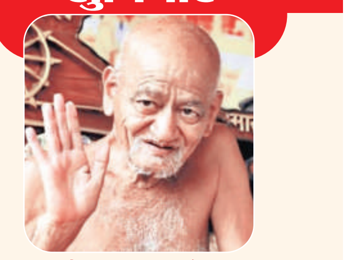

जिसकी दृष्टि सम्यक हो, वह कभी कर्त्तव्य विमुख नहीं होता है।

One, who has fair perspective, never looses the way of duty.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ महत्वपूर्ण बैठक, रेल परियोजनाओं पर की चर्चा

छत्तीसगढ़ की चार प्रमुख रेल परियोजनाएं जल्द होगी शुरू

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली स्थित रेल भवन में केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। रेल भवन में हुई बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए रेल नेटवर्क के विस्तार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस दौरान केन्द्रीय मंत्री के साथ राज्य की कई नई रेल परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए रेल नेटवर्क के विस्तार की आवश्यकता पर जोर दिया और विभिन्न परियोजनाओं के महत्व को विस्तार से समझाया। इस दौरान उनके साथ उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा भी थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक के दौरान राज्य की चार प्रमुख रेल परियोजनाओं धर्मजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई लाइन परियोजना, अंबिकापुर-बरवाडीह नई लाइन परियोजना, खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा नई रेल लाइन परियोजना और रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना को जल्द शुरू करने का आग्रह किया।

रेल मंत्री ने परियोजनाओं पर तेजी से कार्य का दिया आश्वासन

बैठक के दौरान केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने इन परियोजनाओं की संभावनाओं और लाभों को स्वीकार किया और इन पर तेजी से काम करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएँ राज्य के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं और रेलवे मंत्रालय इन्हें प्राथमिकता देगा।

धर्मजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई लाइन परियोजना (240 किमी): मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि यह परियोजना क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है। यह पत्थलगाँव, कुनकुरी, जशपुर नगर, गुमला आदि महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ती है। यह उत्तरी छत्तीसगढ़ को झारखंड से जोड़ेगी। इस परियोजना के माध्यम से औद्योगिक (कोरबा) क्षेत्र को लोहरदगा से जोड़ने की योजना है। इसके अतिरिक्त, यह क्षेत्र को पूर्व में कोरबा और रांची के होकर मध्य भारत से जोड़ेगी। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 16,000 करोड़ रुपए है।

अंबिकापुर-बरवाडीह नई लाइन परियोजना (200 किमी): इस परियोजना की मांग आजादी से पहले 1925 में की गई थी। हालांकि, 1948 में मंजूरी मिलने के बावजूद यह परियोजना अब तक अधूरी रही। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह परियोजना अंबिकापुर (उत्तरी छत्तीसगढ़) को बरवाडीह (झारखंड) से जोड़ेगी और परसा, राजपुर, चंदनपुर आदि महत्वपूर्ण शहरों को कनेक्ट करेगी। इस परियोजना के माध्यम से देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्से में कोयला और अन्य खनिजों के परिवहन के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 9000 करोड़ रुपए है।

खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा नई रेल लाइन परियोजना (277 किमी): मुख्यमंत्री ने बताया कि यह परियोजना देश के पश्चिमी क्षेत्र में एसईसीएल और एमसीएल कोयला क्षेत्रों की निकासी के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करती है। यह बिलासपुर और रायपुर स्टेशनों को बायपास करते हुए बलौदाबाजार क्षेत्र को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 8000 करोड़ रुपए है।

रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना (140 किमी): रेलवे पहले से ही दल्ली-राजहरा-रावघाट 95 किमी नई रेलवे लाइन का निर्माण कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने सुझाव दिया कि इस लाइन को जगदलपुर तक बढ़ाया जाए, ताकि आदिवासी क्षेत्र का आर्थिक और सामाजिक विकास किया जा सके। यह परियोजना छत्तीसगढ़ के खनिज समृद्ध क्षेत्र से इस्पात उद्योगों तक लौह अयस्क की निकासी के कुशल और पर्यावरण अनुकूल साधन प्रदान करेगी। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 3500 करोड़ रुपए है।

मुख्यमंत्री साय ने की केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से छत्तीसगढ़ विजन @2047 पर चर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह से उनके निवास पर मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के दीर्घकालिक विकास के लिए बनाए गए छत्तीसगढ़ विजन /2047 पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में राज्य सरकार ने आठ अलग-अलग क्षेत्रों को चिन्हित किया है। इन क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए एक वर्किंग कमेटी का गठन किया गया है, जो नियमित रूप से आम लोगों और विशेषज्ञों से चर्चा कर एक प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय गृहमंत्री को राज्य में माओवादियों के सप्लाई और फंडिंग नेटवर्क के खिलाफ की जा रही प्रभावी कार्रवाई के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने माओवादियों की गतिविधियों पर लगाम लगाने और उनके वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने नक्सल ऑपरेशन और माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों के बारे में भी गृहमंत्री को जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि माओवादी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का तेज़ी से विस्तार किया जा रहा है, उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने इन क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए विशेष अभियान संचालित किया है।

विधानसभा चुनाव से पहले अजित पवार को बडा झटका, चार नेताओं ने छोड़ी पार्टी; शरद पवार गुट में हो सकते हैं शामिल

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से ठीक पहले चाचा शरद पवार ने भतीजे अजित पवार की एनसीपी में बड़ी सेंधमारी की है। अजित पवार को उनके ही चार टॉप नेताओं ने गच्चा दे दिया है। अजित गुट के चार बड़े नेताओं ने पार्टी को बाय-बाय कह दिया है। ये चारों नेता अब शरद पवार वाले गुट में शामिल हो सकते हैं।

अजित पवार गुट छोड़ने वाले नेताओं में पिंपरी-चिंचवड इकाई के प्रमुख अजित गव्हाणे, पिंपरी छात्र इकाई के प्रमुख यश साने, पूर्व नगरसेवक राहुल भोसले और पंकज भालेकर शामिल हैं। ये सभी इस वीकेंड तक शरद पवार की गुट में शामिल होंगे। अजित की पार्टी में सेंधमारी करके चुनाव से ठीक पहले शरद पवार ने अपने सियासी पावर का परिचय दिया है।

एनसीपी नेता अजित गव्हाणे ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और कहा, 'मैंने एनसीपी (अजित गुट) छोड़ दी है। मैंने पार्टी अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अजित पवार गुट वाली एनसीपी के कई अन्य पदाधिकारी, पूर्व नगरसेवक और नेता भी पार्टी छोड़ने की तैयारी में हैं। गव्हाणे का दावा है कि ये सभी उनका समर्थन कर रहे हैं। गव्हाणे ने आगे कहा कि वह बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और अजित पवार का साथ छोड़ने के पीछे के कारणों का खुलासा करेंगे। लेकिन, उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि क्या वह शरद पवार के खेमे में वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, 'आपको पता चल जाएगा कि मैं किस पार्टी में शामिल हो रहा हूं, मैं आज कुछ नहीं बताऊंगा।

अजित गुट को बाय-बाय कहने वाले इन नेताओं की शरद पवार गुट में वापसी में कोई मुश्किल नहीं है। पिछले महीने ही शरद पवार ने कहा था कि वह उन लोगों को स्वीकार नहीं करेंगे जो उनकी पार्टी को कमजोर करना चाहते हैं, मगर उन नेताओं को शामिल करेंगे जो पार्टी की छवि को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। इस तरह से शरद पवार ने संकेत दे दिया था कि वह अजित गुट के नेताओं को भी अपनी पार्टी में आने देने से परहेज नहीं करेंगे।

तेल टैंकर समुद्र में पलटा, 13 भारतीयों समेत चालक दल के 16 सदस्य लापता; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोमवार को ओमान के तट के पास एक तेल टैंकर पलट गया। जिसमें 13 भारतीयों सहित 16 चालक दल के सदस्य सवार थे, वो सभी लापता हो गए हैं। यह जानकारी अभी सामने आई है। ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र ने बताया कि यह जहाज कोमोरोस का झंडा लगा हुआ तेल टैंकर था। जो दुकम बंदरगाह शहर के पास रस मदरका से लगभग 25 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में पलट गया। समुद्री सुरक्षा केंद्र ने बताया कि लापता चालक दल के सदस्यों को बचाने के लिए खोज और बचाव अभियान जारी है। इसमें यह भी बताया गया कि कोमोरोस के झंडे वाले तेल टैंकर का

नाम प्रेस्टीज फाल्कन है। इसमें 16 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें 13 भारतीय और तीन श्रीलंकाई नागरिक थे। केंद्र ने बताया कि जहाज 'पानी में डूबा हुआ और उल्टा' था। हालांकि, केंद्र ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि जहाज में तेल या तेल उत्पाद समुद्र में लीक हो रहे थे या जहाज पलटने के बाद स्थिर हो गया था।

मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया से रोजगार सृजन, श्रमिक कल्याण और खेल सुविधाओं पर की चर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा एवं खेल मामलों के मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया से उनके आवास पर सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने डॉ. मंडाविया से छत्तीसगढ़ में रोजगार सृजन, श्रमिक कल्याण और खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए केंद्र सरकार से और अधिक सहायता का आग्रह किया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी इस दौरान उनके साथ थे।

मुख्यमंत्री साय ने केन्द्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान राज्य में श्रम, रोजगार और खेल के क्षेत्र में हो रही प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें न्यूनतम मजदूरी दर में वृद्धि, श्रमिक कल्याण योजनाओं का क्रियान्वयन और रोजगार के नए अवसरों का सृजन शामिल है। मुख्यमंत्री ने राज्य में बेरोजगारी की दर को कम करने के लिए केंद्र सरकार से और अधिक सहयोग की मांग की।

मुख्यमंत्री साय ने केन्द्रीय मंत्री डॉ. मंडाविया को राज्य में खेल सुविधाओं के विस्तार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएँ शुरू की हैं। मुख्यमंत्री ने डॉ. मंडाविया से अनुरोध किया कि केंद्र सरकार इन योजनाओं को और अधिक समर्थन दे, ताकि राज्य के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। डॉ. मंडाविया ने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रयासों की सराहना की और राज्य में विकास के लिए उठाए जा रहे कदमों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ को हरसंभव सहयोग देने को तैयार है।

हरियाणा सरकार का तोहफा

अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण का किया ऐलान

रोहतक (आरएनएस)। हरियाणा सरकार ने विधानसभा चुनाव होने से पहले बड़ा दांव खेला है। सरकार ने अग्निपथ योजना को लेकर बड़ी घोषणा कर दी है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा करते हुए कहा कि हमारी सरकार हरियाणा में पूर्व अग्निवीरों को सीधी भर्ती में 10त्न आरक्षण प्रदान करेगी। राज्य सरकार द्वारा कांस्टेबल, माइनिंग गार्ड, फॉरेस्ट गार्ड, जेल वार्डन और एसपीओ के पदों पर भर्ती में अग्निवीरों को यह लाभ दिया जाएगा। साथ ही सैनी ने बिना ब्याज 5 लाख तक कर्ज देने का भी ऐलान किया है। गौरतलब है कि अग्निपथ योजना 14 जून 2022 को पीएम मोदी द्वारा लागू की गई थी। इस योजना के तहत, अग्निवीरों को 4 साल के लिए भारतीय सेना में तैनात किया जाता है।

सावधान! छोटे बच्चों में तेजी से फैल रही एचएफएमडी डिजीज, जानें क्या है यह बीमारी और इसके लक्षण

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में छोटे बच्चों को हाथ, पैर और मुंह की बीमारी अपनी चपेट में तेजी से ले रही है। चिकित्सकों ने बताया कि एचएफएमडी एक आम वायरल बीमारी है जिससे सबसे ज्यादा बच्चे प्रभावित होते हैं। हाथ, पैर और मुंह का रोग (एचएफएमडी) मुख्य रूप से शिशुओं और छोटे बच्चों में फैल रहा है। लक्षणों की बात करें, तो इसमें बुखार, गले में खराश, मुंह में छाले और हाथों और पैरों पर चकत्ते दिखते हैं।

इस तरह के रोग विभिन्न प्रकार के एंटरोवायरस के कारण होते है, जिसमें सबसे आम तौर पर कॉक्ससैकीवायरस, 16 और एंटरोवायरस 71 जैसे वायरस होते है। गुरुग्राम के फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रिंसिपल डायरेक्टर और एचओडी, पीडियाट्रिक्स डॉ. कृष्ण चुघ ने बताया, हम रोजाना इसके 4 से 5 मामले देख रहे हैं, जो हमारे द्वारा देखे जाने वाले औसत मामलों से बहुत अधिक है।

उन्होंने कहा, यह मामले खासतौर पर 1-7 वर्ष तक की आयु के बच्चों में देखने को मिल रहे है। ज्यादातर संक्रामक बीमारियां आमतौर पर बुखार से शुरू होती है, जिसके साथ अक्सर गले में खराश और अस्वस्थता जैसा महसूस होता है। इसके बाद मुंह, हाथों की हथेलियों और पैरों के तलवों पर दर्दनाक घाव या छाले दिखाई देते हैं। ये घाव बच्चों को काफी परेशान कर सकते है, जिससे बाद बच्चों के लिए खाना-पीना मुश्किल हो जाता है।

हाथों और पैरों पर दाने, छोटे लाल धब्बे या छाले के रूप में दिखाई दे सकते हैं। कुछ मामलों में, विशेष रूप से एंटरोवायरस 71 के साथ, यह बीमारी वायरल मैनिंजाइटिस या एन्सेफलाइटिस जैसी अधिक गंभीर जटिलताओं को जन्म दे सकती है। वायरस नजदीकी संपर्क, श्वसन बूंदों (खांसने, छींकने) और दूषित सतहों या मल के संपर्क में आने से फैलता है। संक्रामकता का उच्च स्तर वहां पाया जाता है जहां छोटे बच्चे इकट्ठा होते हैं, इसमें डेकेयर और स्कूल भी शामिल है।

कलेक्टर की कार्यवाही के बाद भड़के पटवारी संघ ने किया हड़ताल जारी रखने का ऐलान

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ राज्य के राजस्व विभाग में हड़ताल पर बैठे पटवारी सारंगढ़ कलेक्टर द्वारा की गई कार्रवाई के बाद भड़क उठे है तथा अनिश्चतकालीन हड़ताल जारी रखने का ऐलान किया है। बता दें कि पिछले कई दिनों से पटवारी संघ अपनी 32 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चतकालीन हड़ताल पर है।

केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेताओं और राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार विजेताओं से बातचीत की

भारत के युवा हमारे भविष्य के निर्णयकर्ता हैं : डॉ. मनसुख मांडविया

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेताओं और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत की। इस सत्र का उद्देश्य इन युवाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाया और माईभारत प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाने की रणनीतियों पर चर्चा करना था, ताकि यह भारत के युवाओं के लिए अधिक सुलभ और लाभकारी हो सके।

डॉ. मांडविया ने पुरस्कार विजेताओं के असाधारण योगदान को स्वीकार करते हुए बातचीत की शुरुआत की, जो भारत भर के विभिन्न राज्यों के निवासी हैं और जिन्होंने सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी), जलवायु परिवर्तन, शहरी नियोजन, युवा सशक्तिकरण, नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम जैसे विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। उन्होंने राष्ट्र के मजबूत भविष्य के निर्माण के लिए युवा प्रतिभाओं की पहचानकरने और उन्हें मार्गदर्शन व सहायता प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया। पहचान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, डॉ. मांडविया ने कहा कि भारत के युवा हमारे भविष्य के निर्णयकर्ता हैं और मैं उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में हमारी सामूहिक यात्रा के प्रति उत्साहित हूं।

चर्चा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, माईभारत प्लेटफार्म पर युवाओं के रचनात्मक जुड़ाव के संदर्भ में अभिनव और सहयोगी विचारों पर केंद्रित था। डॉ. मांडविया ने पुरस्कार विजेताओं से सुझाव आमंत्रित किए कि कैसे प्लेटफार्म को और अधिक आपसी संवाद आधारित, सूचना आधारित और आकर्षक बनाया जाए। पुरस्कार

माईभारत प्लेटफॉर्म को और अधिक युवा-अनुकूल बनाने पर चर्चा की

विजेताओं ने अधिक डिजिटल टूल को शामिल करने, इसे युवाङ्कसंबंधी सभी पहलों के लिए वनङ्कस्टॉप समाधान बनाने और महत्वाकांक्षी युवाओं का मार्गदर्शन करने के लिए मेंटरशिप और इंटर्नशिप कार्यक्रम बनाने जैसे विचारों का प्रस्ताव रखा। डॉ. .मांडविया ने युवाओं और मंत्रालय के बीच निरंतर संवाद को प्रोत्साहित किया, ताकि युवा भारतीयों की जरूरतों और आकांक्षाओं का पर्याप्त रूप से समाधान करना सुनिश्चित किया जा सके।

डॉ. मांडविया ने विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। बातचीत का समापन माईभारत प्लेटफार्म को युवा संवाद और विकास के लिए प्रमुख मंच बनाने के सामूहिक दृष्टिकोण के साथ हुआ। डॉ. मांडविया ने भविष्य के प्रति अपनी आशा व्यक्त की तथा भारत को प्रगति और नवाचार की ओर ले जाने में युवाओं की परिवर्तनकारी शक्ति में अपना विश्वास व्यक्त किया। इस बातचीत में युवा कार्यक्रम विभाग के सचिव तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

विकसित भारत डिजिटल साक्षरता पहल के हिस्से के रूप में, MATS यूनिवर्सिटी ने अकोली कला गांव में आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया

रायपुर (विश्व परिवार)। विकसित भारत डिजिटल साक्षरता पहल के हिस्से के रूप में, MATS यूनिवर्सिटी ने 10 जुलाई 2024 को अकोली कला गांव में एक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य डिजिटल साक्षरता को बढ़ाना और ग्रामीणों के बीच प्रौद्योगिकी के लाभों को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में अकोली कला गांव के सरपंच, अकोली कला स्कूल के प्रधानाध्यापक सहित कई प्रतिष्ठित अतिथि और संकाय सदस्य उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का समन्वय और प्रबंधन MSIT विभाग के संकाय श्री अमित साहू, सुश्री हेमलता पटेल और श्री दिग्विजय सिंह द्वारा किया गया था। MATS स्कूल ऑफ आईटी के संकाय सदस्यों ने छात्रों के साथ बुनियादी कंप्यूटर कौशल, इंटरनेट उपयोग और डिजिटल साक्षरता के महत्व पर इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए।

श्री अमित साहू ने ग्रामीणों को कंप्यूटर और स्मार्टफोन के उपयोग की बुनियादी बातों से परिचित कराया, सुश्री हेमलता पटेल ने दैनिक जीवन के लिए लाभदायक विभिन्न डिजिटल उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग का प्रदर्शन किया और श्री दिग्विजय सिंह ने शिक्षा, रोजगार के अवसरों और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार के लिए डिजिटल साक्षरता की क्षमता पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में कुल 100 छात्रों ने भाग लिया, जिसमें स्थानीय स्कूल के 75 छात्र और MATS स्कूल ऑफ आईटी के 25 छात्र शामिल थे।

MATS विश्वविद्यालय ने छात्रों को कार्यक्रम के बाद उनकी सीखने की यात्रा जारी रखने में मदद करने के लिए स्टेशनरी सहित शैक्षिक सामग्री वितरित की।

MATS यूनिवर्सिटी का अकोली कला गांव का दौरा विकसित भारत पहल के तहत डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। गाँव के स्कूल अधिकारियों और MATS विश्वविद्यालय के प्रबंधन के सहयोगात्मक प्रयासों ने आयोजन की सफलता सुनिश्चित की। ग्रामीणों ने अपना आभार व्यक्त किया और अपने नए ज्ञान को लागू करने के लिए उत्साह दिखाया, जिससे अकोली कला में डिजिटल सशक्तिकरण की एक आशाजनक शुरुआत हुई। यह आयोजन मैट्स यूनिवर्सिटी के चांसलर गजराज पगारिया, कुलपति प्रोफेसर डॉ. पीके यादव, महानिदेशक प्रियेश पगारिया और रजिस्ट्रार गोकुलानंद पांडा के अटूट समर्थन से संभव हुआ।

संक्षिप्त समाचार

केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार खटीक से मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ.वीरेंद्र कुमार खटीक से उनके दिल्ली स्थित कार्यालय में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने केंद्रीय मंत्री डॉ. खटीक को बस्तर के आदिवासियों द्वारा बनाई गई प्रसिद्ध ढोकरा कलाकृति भेंट कर उन्हें छत्तीसगढ़ आने के लिए आमंत्रित किया। केंद्रीय मंत्री डॉ. खटीक ने शीघ्र ही छत्तीसगढ़ आने के साथ दिव्यांगजनों की भलाई के लिए कार्य करने की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया है।

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में उत्कृष्ट कार्यों के लिए आज नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ को मिलेंगे 5 राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ को दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में उत्कृष्ट कार्यों के लिए नई दिल्ली में 18 जुलाई को पांच राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा जाएगा। भारत सरकार द्वारा राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) और प्रदेश के चार नगरीय निकायों बिलासपुर, रायगढ़, चांपा एवं भाटापारा का चयन प्रतिष्ठित 'स्पार्क-2023-24' पुरस्कारों के लिए किया गया है। राज्य में शहरी गरीब परिवारों को सशक्त बनाने और उनकी आजीविका के अवसरों को बढ़ाने में उत्कृष्ट कार्यों के लिए ये पुरस्कार प्रदान किए जा रहे हैं। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली के इंडिया हैबिटॉट सेंटर में आयोजित समारोह में सूडा और चारों नगरीय निकायों को पुरस्कृत किया जाएगा। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल और राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ये पुरस्कार प्रदान करेंगे। भारत सरकार द्वारा 'स्पार्क-2023-24' पुरस्कार के लिए चयनित सूडा, बिलासपुर व रायगढ़ नगर निगम तथा चांपा व भाटापारा नगर पालिका के अधिकारियों और लाभार्थियों की कुल 20 सदस्यीय टीम छत्तीसगढ़ की ओर से नई दिल्ली में ये पुरस्कार ग्रहण करेगी। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने राज्य को गौरवान्वित करने वाली इस उपलब्धि के लिए सूडा और चारों नगरीय निकायों की टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से राज्य में शहरी आबादी के जीवन में उल्लेखनीय सुधार आया है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने एसोशिएशन के वेब पोर्टल और क्यूआर कोड को किया लांच

छत्तीसगढ़ सराफा एसोशिएशन के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज छत्तीसगढ़ सराफा एसोशिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण और आशीर्वाद समारोह में शामिल हुए। उन्होंने रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में एसोशिएशन के वेब पोर्टल और क्यूआर कोड को लॉन्च किया। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल और विधायक श्री अमर अग्रवाल भी समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। बिलासपुर उच्च न्यायालय में अधिवक्ता और बॉर काउंसिल ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य श्री सुनील ओटवानी ने छत्तीसगढ़ सराफा एसोशिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष को शपथ दिलाई।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने मुख्य अतिथि के रुप में शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि एसोशिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी अपने नेतृत्व में प्रदेश भर के सराफा व्यापारियों को एकजुट करने का काम करेंगे। सराफा व्यवसाईयों के हितों के संरक्षण के साथ ही समाज सेवा का महती कार्य एसोशिएशन के माध्यम से होगा, ऐसी वे उम्मीद करते हैं। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश में सराफा व्यवसाय के उत्थान में सरकार हर कदम पर एसोशिएशन के साथ खड़ा है।

सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सराफा व्यवसाय किसी प्रदेश की प्रगति का द्योतक है। सराफा व्यवसाय का बढ़ना राज्य की तरक्की का प्रतीक है। पहले एक खास क्षेत्र में सीमित रहने वाले सराफा दुकानों का अब शहर के अलग-अलग क्षेत्रों और बाजारों में विस्तार हो रहा है। पिछले 24 वर्षों में छत्तीसगढ़ में सराफा का व्यवसाय करीब सौ गुना बढ़ा है। समारोह में विधायक श्री अमर अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के बाद यहां की सामाजिक और आर्थिक प्रगति हम सबने देखी है। प्रदेश में सराफा की नई दुकानें तेजी से खुल रही हैं जो बताती है कि यहां के लोगों की खरीदारी की क्षमता लगातार बढ़ रही है। प्रदेश के आर्थिक विकास में योगदान के लिए मैं सराफा व्यापारियों को धन्यवाद देता हूं।

बिलासपुर उच्च न्यायालय में अधिवक्ता और बॉर काउंसिल ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य सुनील ओटवानी, छत्तीसगढ़ सराफा एसो. के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कमल सोनी और कोषाध्यक्ष हर्षवर्धन जैन ने भी समारोह को संबोधित किया। रायपुर सराफा एसो. के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने स्वागत भाषण दिया। छत्तीसगढ़ सराफा एसो. के नवनिर्वाचित महासचिव प्रकाश गोलछा ने कार्यक्रम में शामिल अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रदेश भर से आए विभिन्न सराफा एसोशिएशन्स के पदाधिकारी और सराफा व्यवसाई समारोह में बड़ी संख्या में शामिल हुए।

श्री रामलला दर्शन योजना : सरगुजा अंचल से 850 श्रद्धालु हुए अयोध्या धाम के लिए रवाना

सांसद चिंतामणि महाराज ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को किया रवाना

श्रद्धालुओं ने कहा- मुख्यमंत्री ने वादा निभाया, रामलला का दर्शन करना हमारे लिए सौभाग्य की बात

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में गठित नई सरकार द्वारा शुरू की गई श्रीरामलला दर्शन योजना को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह का माहौल है। सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर आज विशेष ट्रेन अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस विशेष ट्रेन को सांसद श्री चिंतामणि महाराज, विधायक श्री राजेश अग्रवाल और श्री प्रबोध मिंज ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

अयोध्या धाम यात्रा के लिए जाने वाले श्रद्धालु अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन पर भजन गाते हुए विशेष ट्रेन में सवार होकर रवाना हुए। सभी श्रद्धालुओं की रामलला के दर्शन की अभिलाषा पूरी होने जा रही है। ये श्रद्धालु मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति दिल से आभार व्यक्त कर रहे थे। श्रद्धालुओं का कहना था कि मुख्यमंत्री ने अपना वादा निभाया है और सरकार की श्री रामलला दर्शन योजना से अयोध्या जाने की उनकी इच्छा पूरी हो रही है। यह उनका सौभाग्य है।

अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई इस विशेष ट्रेन में सरगुजा संभाग के सभी 06 जिलों जशपुर से 204, सूरजपुर से 147, कोरिया से 108, बलरामपुर से 164, और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले से 57 श्रद्धालु और 170 अनुरक्षक भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलेगा जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने, वहां ठहरने की व्यवस्था, मंदिर दर्शन, नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहेगी।

विष्णु सरकार में श्रमिकों का भरोसा फिर लौटा, हर श्रमिक तक पहुंच रही योजना : श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन

श्रमिकों के लिए शुरू हुई 5 रुपए में भरपेट भोजन की व्यवस्था

श्रम मंत्री ने बुधवारी बाजार में किया शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। श्रम, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने आज कोरबा जिले के बुधवारी बजार में शहीद वीर नारायणसिंह श्रम अन्न योजना अंतर्गत निर्माण, संगठित एवं असंगठित वर्ग के श्रमिकों के लिए 05 रूपए में भरपेट भोजन की व्यवस्था हेतु दाल-भात केंद्र का शुभारंभ किया। यह जिले का दूसरा दाल भात केंद्र है। इस दौरान उन्होंने अतिथियों के साथ स्वयं भी श्रमिकों के बीच जाकर भोजन किया और श्रमिकों से अपील किया कि वे इस दाल-भात केंद्र में आकर भोजन अवश्य करें। श्रम मंत्री ने इस अवसर पर विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि श्रम विभाग से जुड़े कुल तीन मंडल अंतर्गत 72 योजनाएं संचालित है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सभी योजनाओं में हितग्राहियों को सामग्री प्रदान करने की बजाय सीधे उनके खाते में राशि देने की पहल किया है। इससे हितग्राही को सीधा लाभ पहुंचता है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए कार्य किया जा रहा है। श्रम मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि श्रम विभाग की योजना श्रमिकों के लिए है। छत्तीसगढ़ का कोई भी श्रमिक योजनाओं से वंचित न रहे, उन्हें लाभ जरूर मिले। श्रम मंत्री होने के नाते उनकी भी कोशिश है कि कोरबा जिले के सभी श्रमिक योजनाओं का लाभ उठाएं।

बुधवारी में दाल-भात केंद्र का शुभारंभ करते हुए मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि इस योजना को प्रारंभ करने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने तत्काल सहमति दी और आज उनके प्रयास से गरीब मजदूरों को किफायती दर में प्रदेश के 10 जिलों के 22 स्थानों में दाल-भात केंद्र संचालित हो रहा है। कोरबा जिले में तीन स्थानों पर दाल-भात केंद्र का संचालन होगा। जिसमें से बालकों के बाद आज दूसरा केंद्र प्रारंभ हो गया है।

एनटीपीसी कोरबा ने अंतर-जिला जूनियर गर्ल्स फुटबॉल चैम्पियनशिप और कोचिंग कैम्प का शुभारंभ किया

कोरबा (विश्व परिवार)। आज, एनटीपीसी कोरबा ने गर्व से अंतर-जिला जूनियर गर्ल्स फुटबॉल चैम्पियनशिप और कोचिंग कैंप का शुभारंभ किया, जिससे छत्तीसगढ़ में बुनियादी स्तर पर फुटबॉल की प्रतिभा को बढ़ावा मिलेगा। इस वृत्तांत का आयोजन महत्वपूर्ण समारोह में किया गया, जिसमें जिला फुटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और मैच कमिशनर जैसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों ने भाग लिया।

परियोजना प्रमुख एनटीपीसी कोरबा, राजीव खन्ना के नेतृत्व में इस घटना में एनटीपीसी के महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन) एस.पी. सिंह, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) शशि शेखर, और खेल परिषद के अध्यक्ष के.पी. चंद्रावंशी समेत महत्वपूर्ण सीएसआर सदस्य भी मौजूद थे, जो एनटीपीसी की क्षेत्र में खेल विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

चार दिनों के इस टूर्नामेंट में, रायपुर, बीजापुर, दुर्ग, और बस्तर जिलों की टीमें प्रतियोगिता करेंगी। विजेता टीम को 30 खिलाड़ियों के लिए विशिष्ट रूप से तैयार किए गए 21 दिनों के कोचिंग कैंप से सम्मानित किया जाएगा, जो उनके कौशलों को और अधिक सुधारेगा और उन्हें उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा।

इस पहल के महत्व को उजागर करते हुए, घोषित किया गया कि कोचिंग कैंप से 15 उत्कृष्ट खिलाड़ी चाहत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय स्तर पर करने के लिए चयनित किए जाएंगे। इस पथ में पहले के अनुभव के द्वारा सिद्ध हुआ है, जैसे कि किरण पिसदू की यात्रा। किरण, इस घटना के पिछले संस्करण से चुनी गई, ने राष्ट्रीय स्तर पर उभरते हुए केरल लीग और एक प्रमुख यूरोपीय क्लब के लिए खेला।

एनटीपीसी कोरबा, अपने घास-क्षेत्र खेलों के संवर्धन में स्थिर समर्थन देकर, युवा प्रतिभा को पोषित करती है और उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनकी प्रगति के अवसर प्रदान करती है।

एनटीपीसी कोरबा द्वारा आयोजित इस वृत्तांत का एक हिस्सा यह छत्तीसगढ़ जिला फुटबॉल एसोसिएशन के साथ उसकी सीएसआर पहल का हिस्सा है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पंडरिया विधानसभा में लगाएं जाएंगे 51,000 पौधे, विधायक भावना बोहरा ने शुरू की मुहिम

पंडरिया (विश्व परिवार)। 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत पूरे देश में लाखों की तादाद में वृक्षारोपण किया जाएगा। जिससे आने वाले समय में पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

इसी कड़ी में पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा भी इस अभियान में अपनी सतत व सक्रिय सहभागिता निभाते हुए पंडरिया विधानसभा में 51, 000 फलदार एवं छायादार पौधे लगाने की सार्थक मुहिम शुरू की है। पंडरिया विधानसभा अंतर्गत आने वाले प्रत्येक बूथ में आज से 100 से अधिक पौधरोपण करने की शुरुआत विधायक भावना बोहरा ने अपने गृह ग्राम रणवीरपुर एवं ग्राम बाजार चारभाठा से की। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासियों ने भी विधायक के साथ इस मुहिम में अपनी जनभागीदारी निभाई।

भावना बोहरा ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू वृक्षारोपण अभियान आज जन आंदोलन बन गया है

इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि प्रकृति से ही देश की प्रगति जुड़ी हुई है, ऐसे में एक जिम्मेदार नागरिक व जनप्रतिनिधि होने के नाते हमारा यह दायित्व बनता है कि हम भी पर्यावरण के संरक्षण, संवर्धन एवं सुरक्षा में अपना योगदान दें। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरू की गई एक पेड़ माँ के नाम अभियान में देश का हर नागरिक अपनी महती भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रारंभ एक पेड़ माँ के नाम अभियान केवल अभियान न रहकर अब पूरे देश में जनआंदोलन बन गया हैं। यह अभियान हमारी माँ और धरती माँ के प्रति हमारी श्रद्धा के भाव को प्रकट कर रहा हैं। आज पूरे देश में हर व्यक्ति अपनी माँ और धरती माँ दोनों के नाम से पौधा लगाकर उन्हें प्रणाम कर रहा है।

भावना बोहरा ने आगे कहा कि पर्यावरण स्वच्छ रह सके और बीमारियों से बचाव हो सके इसके लिए पर्यावरण को स्वच्छ रखना होगा। पर्यावरण को बचाने के लिए हर नागरिक को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए ताकि पृथ्वी पर प्राकृतिक संतुलन बना रहे। मैं पूरे पंडरिया विधानसभा की जनता से भी आग्रह करती हूँ कि हमारे आने वाले भविष्य और पीढ़ियों को एक बेहतर एवं स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए इस मुहिम से जरूर जुड़ें। अपने घर, दफ्तर, स्कूल, कॉलेज, तालाब के किनारे जहां भी संभव हो एक पेड़ माँ के नाम जरूर लगाएं और वृक्ष बनने तक उसकी सुरक्षा का संकल्प जरूर करें।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर कबीरधाम जिले में जलस्त्रोतों का क्लोरिनेशन और स्वच्छता अभियान शुरू

रायपुर (विश्व परिवार)। निजी जल स्त्रोतों का क्लोरिनेशन और स्वच्छता अभियान शुरूनिजी जल स्त्रोतों का क्लोरिनेशन और स्वच्छता अभियान शुरूकबीरधाम जिले में उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देश पर सभी सार्वजनिक और निजी जल स्त्रोतों का क्लोरिनेशन और स्वच्छता अभियान शुरू हो गया है। जिले के सभी सार्वजनिक एवं निजी जल स्त्रोतों की स्वच्छता के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और पीएचई विभाग इस कार्य मे लग गए हैं। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध और निर्मल पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

जिले के विकासखण्डों में कुल 13,538 जल स्त्रोतों, जिसमें कुएं, हैण्डपंप, सोलर पंप आदि शामिल हैं, का क्लोरिनेशन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा और आदिवासी बाहूल्य क्षेत्रों में भी स्वच्छता कार्य किए जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री के निर्देश पर कलेक्टर ने इस कार्य के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य अमला और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को संयुक्त रूप से जिम्मेदारी दी है।

इसके लिए जिले के सभी विकासखण्डों में पांच-पांच दल गठित किए गए हैं, जो क्लोरिनेशन का कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग और ग्राम स्तर पर मितानिनों को भी इस कार्य में शामिल किया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने मौसमी और जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि सभी ग्राम पंचायतों के जल स्त्रोतों की क्लोरिनेशन और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय पंचायत की टीम द्वारा विशेष कार्य किया जाना चाहिए इस अभियान से जिले के ग्रामीणों को शुद्ध और निर्मल पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में कमी आएगी। इसके लिए कलेक्टर को सभी संबंधित अधिकारियों का नियमित मॉनिटरिंग और अभियान की प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं।

दैनिक विश्व परिवार से जुड़ें...

छत्तीसगढ़ के सबसे विश्वसनीय दैनिक समाचार पत्र एवं वेबसाइट "**दैनिक विश्व परिवार**" से जुड़े और पाए अपनी खबरों को प्रकाशित कराने अवसर।

"**दैनिक विश्व परिवार**" दे रहा है सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में युवा एवं प्रतिभावान पत्रकारों को मौका अपने जिले की हर खबर को प्रमुखता से प्रकाशित कराने का अवसर।

साथ ही छत्तीसगढ़ के समस्त जिले, विधानसभा, ब्लॉक स्तर पर रिपोर्टरों और विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है। अपनी खबरों को "**दैनिक विश्व परिवार**" के माध्यम से जनता तक पहुंचाए। हमसे जुड़ने के लिए निचे दिए गए नंबर पर करे अपनी खबरे साजा।

सम्पर्क : 99810-93065, 62662-63552

न्यायालय तहसीलदार खरोरा, जिला रायपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क / /अ/6/अ/2023-24
ग्राम- भरूवाडीह कला, प0ह0नं0 33 //

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **मे. कस्तुरी सीमेंट लि.** द्वारा **संचालक डॉ. अवधेश जैन,** निवासी अरिहंत निवास सत्तीबाजार रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत कर अपने स्वामित्व व हक की भूमि जो ग्राम **भरूवाडीह कला प.ह.नं.-33 रा.नि.मं. मोहरेंगा** तहसील खरोरा जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ख.नं.-58/1 शा. खसरा नंबर-59/1, 60/1 कुल रकबा 0.668 हे. भूमि का ऑनलाईन राजस्व नक्शा पृथक-पृथक 58, 59, 60 का दर्जे है। जबकि खसरा क्रमांक एव बी-1 में 58/1 शामिल खसरा नंबर 59/1, 60/1 याने शामिल नंबर के रूप में दर्ज है। इस प्रकार राजस्व नक्शा एवं खसरा बी-1 एक दूसरे के प्रतिबिम्ब नहीं कर रहा है। जिसे आवेदक खसरा नंबर 58/1 शा. खसरा नंबर 59/1, 60/1 कुल रकबे 0.668 हैं, को स्थल आधिपत्य एवं बटांकित राजस्व नक्शे के अनुसार शामिल नंबर को हटाकर 58/1, 59/1, 60/1 को स्वतंत्र रूप में दर्ज कर उनके आधिपत्य एवं राजस्व नक्शे के अनुसार पृथक-पृथक रकबा दर्ज करने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) तिल्दा-नेवरा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण जांच प्रतिवेदन हेतु इस कार्यालय को प्राप्त हुआ है।

तत्संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो वे पेशी दिनांक 30/07/2024 को न्यायालयीन समय में मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से ईश्तहार जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
खरोरा, जिला- रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./13028/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 16-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13028
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489AU** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. U KANAKESWAR 2. U SHARDA DEVI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. UAPPAYYA 2. U KANAKESWAR RAO** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./12727/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 16-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12727
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107I0676A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. SAVITRI VERMA 2. TEJRAM VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. TEJRAM VERMA 2. LATE FIRTURAM VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SATYENDRA VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TEJRAM VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./13027/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 16-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13027
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489AT** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **P. RAJANI KANT** पिता/पति, श्री/श्रीमती **P.B. RAJU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

जजों को अब नौकरी छोड़ने के 3 महीने पहले देनी होगी सूचना, हाई कोर्ट ने जारी किया आदेश

किसी कारणवश तय समयावधि में सूचना नहीं दे पाए तो ऐसी स्थिति में तीन महीने का वेतन सरेंडर करना होगा

बिलासपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के विभिन्न न्यायालयों में कार्यरत जजों के लिए विधि विधायी विभाग ने नया नियम लागू कर दिया है। त्यागपत्र देने के तीन पहले विधि विधायी विभाग को इस संबंध में सूचना देनी होगी। किसी कारणवश तय समयावधि में सूचना नहीं दे पाए तो ऐसी स्थिति में तीन महीने का वेतन सरेंडर करना होगा। नए नियम को तत्काल प्रभाव से छत्तीसगढ़ में लागू कर दिया है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 233 व 309 में दी गई शक्तियों का उपयोग करते हुए विधि विधायी विभाग ने छत्तीसगढ़ उच्चतर न्यायिक सेवा (भर्ती तथा सेवा शर्तें) नियम, 2006 में दी गई पूर्व की व्यवस्था में जरुरी संशोधन कर दिया है। संशोधन आदेश में कहा गया है कि प्रदेश के विभिन्न न्यायालयों में पदस्थ अगर इस्तीफा देने का मन बनाते हैं तो उनको तीन महीने पहले इसकी सूचना विभाग को देनी होगी। सूचना देना जरुरी नहीं समझते हैं तो इस्तीफा स्वीकार होने से पहले तीन महीने का वेतन जमा करना होगा। पूर्व में यह व्यवस्था एक महीने पहले सूचना या फिर एक महीने का वेतन सरेंडर करने की शर्त रखी गई थी। संविधान के अनुच्छेद 233 व 309 के नियम 12 उप नियम (पांच) में कुछ इस तरह की व्यवस्था थी। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल,छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट व राज्य लोक सेवा आयोग के परामर्श और दिए गए सलाह के आधार पर विधि विधायी ने जरुरी संशोधन किया है। विधि विधायी विभाग ने एक और संशोधन कर सिविल जज परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के लिए विधि में स्नातक की डिग्री के साथ ही राज्य अधिवक्ता परिषद में पंजीयन को अनिवार्य कर दिया है। संशोधन के साथ ही राज्यपाल के अनुमोदन व आदेश के बाद विधि विधायी विभाग के अतिरिक्त सचिव सहाबुद्दीन कुरैशी ने छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित कर दिया है। विधि विधायी विभाग ने विधि के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण बदलाव किया है। सिविल जज प्रारंभिक परीक्षा के पाठ्यक्रम में छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान को शामिल किया है। इसे शामिल करने का लाभ स्थानीय युवाओं को मिलेगा। प्रदेश से संबंधित सवालों के जवाब स्थानीय युवा जो सिविल जज की परीक्षा दिलाने की तैयारी कर रहे हैं उनके लिए फायदेमंद होगा। विधि विधायी विभाग के इस बदलाव को स्थानीय युवाओं के लिए बोनस अंक के रूप में देखा जा रहा है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 233 व अनुच्छेद 309 के द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, हाई कोर्ट व राज्य लोक सेवा आयोग के परामर्श से छत्तीसगढ़ उच्चतर न्यायिक सेवा (भर्ती तथा सेवा भर्ती शर्तें) नियम 2006 में जरुरी संशोधन किया गया है। राजपत्र में इसका प्रकाशन कर दिया गया है। शहाबुद्दीन कुरैशी- अतिरिक्त सचिव विधि एवं विधायी विभाग छग।

मोदी के पूंजीपति मित्रों को लाभ पहुंचाने जनता पर महंगाई का बोझ - विनोद चंद्राकर

महासमुंद(विश्व परिवार)। पूर्व संसदीय सचिव व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि बढ़ती महंगाई को रोकने मोदी सरकार का दावा खोखला साबित हो रहा है। अब लोगों के रसोई का बजट गई गुना बढ़ गया है। केंद्र सरकार समय रहते महंगाई को रोकने उचित कदम उठाते तो महंगाई दर आज उच्चतम स्तर पर नहीं पहुंचता। महंगाई मैन मोदी देश की जनता पर महंगाई का बोझ दिन प्रतिदिन बढ़ा रही है। इससे गरीब से मध्यम वर्ग के लोगों का जीवन यापन दूभर हो गया है। चंद्राकर ने पीएम मोदी को महंगाई के लिए जिम्मेदार बताते हुए कहा कि देश में बेतहाशा बढ़ती महंगाई ने आम लोगों के जीवन को काफी प्रभावित किया है। निरंतर हो रहे मूल्यवृद्धि के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर है। पहले खुदरा महंगाई ने परेशान किया और अब थोक महंगाई की दर भी लगातार बढ़ी है। जून में देश की थोक महंगाई दर 16 महीने के उच्चतम स्तर 3.36त्न पर पहुंच गई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति मई में 2.61 फीसदी थी, जो बढ़कर आज 3.36 फीसदी पहुंच गई। पूर्व संसदीय सचिव ने महंगाई को लेकर डबल इंजन सरकार को कोसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीब का निवाला छीनकर अपने चंद पूंजीपति मित्रों को देते हैं। महंगाई से पीड़ित गरीबों की तकलीफ से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। जुलाई में थोक महंगाई दर ने एक साल चार महीने का रिकॉर्ड तोड़ दिया है और सब्जियों से लेकर खाने की वस्तुओं में बेतहाशा महंगाई दर्ज हुई है। खाद्य वस्तुओं की महंगाई 8.68 प्रतिशत बढ़ी है जबकि दाल की महंगाई 21.64 प्रतिशत और सब्जियों की महंगाई 38.76 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। सब्जियों में सबसे महंगा प्याज चल रहा है। प्याज की महंगाई दर 93.35 प्रतिशत है, जबकि आलू की महंगाई दर 66.37 प्रतिशत और फलों की महंगाई 10.14 प्रतिशत बढ़ गई है।

मुकबधिर पत्नि ने दिव्यांग पति की गला रेतकर कर दी हत्या

जांजगीर-चांपा(विश्व परिवार)। जिले के पामगढ़ थाना क्षेत्र में तालाब में मिले लाश के मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि पति के द्वारा रोज शराब पीकर लड़ाई झगड़ा करने से परेशान होकर पत्नी ने हथौड़ा मारकर तथा चाकू से गला रेत कर हत्या कर दी। मिली जानकारी के अनुसार दिव्यांग मनोज कुमार अपनी पत्नी और बच्चों के साथ तालाब किनारे झुग्गी बनाकर रहता था। मनोज और उसका परिवार भीख मांग कर गुजारा करते थे। शनिवार सुबह उसका शव घर से कुछ दूरी पर मिला। आसपास खून के निशान भी थे। मामले की जांच के दौराने पुलिस की टीम को मृतक मनोज कुमार की पत्नी पर शक हुआ और पुलिस ने महिला को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। महिला बोल-सुन नहीं सकती इसलिए श्रवण बाधित विशेषज्ञ को बुलाया गया था। श्रवण बाधित विशेषज्ञ रामायण कुर्रे ने महिला से साइन लैंग्वेज में पूछताछ की। इस दौरान मृतक की पत्नी ने अपना जुर्म कबुल करते हुए बताया कि 12 जुलाई की शाम को मनोज नट शराब लेकर आया था। शराब पीने के बाद सो गया था, लेकिन रात में उठने के बाद पत्नी से मारपीट करने लगा। इस दौरान पत्नी उसको बाहर लेकर गई। तालाब के पास धक्का देकर नीचे गिराने के बाद हथौड़े से सिर पर 3 बार हमला किया। इससे वह बेहोश हो गया।

दहेजलोभी पुलिसकर्मी को मिली 10 साल की सजा

बिलासपुर(विश्व परिवार)। दहेज हत्या के एक मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने आरोपित पुलिसकर्मी को 10 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने अपने फैसले में तल्ख टिप्पणी भी की है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस कर्मचारी होने के नाते अपराध में अंकुश लगाने के बजाय खुद शामिल हो गया है। दहेज के नाम पर पत्नी की हत्या कर दी है। यह गंभीर मामला है। आरोपित 30 सितंबर 2013 से जेल में बंद है। कोर्ट ने 10 साल की गणना करने के बाद रिहा करने का आदेश दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने आरोपित को किस धारा में सजा होनी चाहिये, इस पर विचार कर अपना अभिमत देने के लिए अधिवक्ता आशीष तिवारी को न्याय मित्र नियुक्त किया था। न्याय मित्र ने इस तरह के प्रकरण में देश के विभिन्न हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले का अध्ययन करने के बाद कोर्ट के समक्ष रिपोर्ट पेश करने के साथ ही अपना अभिमत भी दिया था। न्याय मित्र से इसे दुर्लभ मामला मानते हुए दहेज हत्या के आरोप में आरोपित को 10 साल की सजा की सिफारिश की थी। न्याय मित्र ने विचारण न्यायालय के फैसले को सही ठहराया था। न्याय मित्र के अभिमत और सुप्रीम कोर्ट के न्याय दृष्टांत का हवाला देते हुए धारा 304 (बी) के तहत सात वर्ष की सजा को बढ़ाकर 10 वर्ष करने का आदेश दिया है।

कोरबा वन मण्डल के भुलसीडीह में वन विभाग की 200 एकड़ से अधिक जमीन की हो गई अवैध खरीदी. बिक्री

कोरबा(विश्व परिवार)। वन मंडल कोरबा के भुलसीडीह गांव में वन विभाग की 200 एकड़ से अधिक जमीन की अवैध खरीदी. बिक्री हो गई है। इस मामले में कुछ छुटभैये नेता और वन विभाग के कर्मियों का नाम चर्चा में है। भुलसीडीह अनसर्वेड विलेज है। वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी इस बात का लंबे समय से फायदा उठाते रहे हैं न केवल वे स्वयं अतिक्रमण कर वन भूमि पर काबिज होते रहे हैं बल्कि कुछ छुटभैये नेताओं की आड़ में वन भूमि की अवैध बिक्री भी करते रहे हैं इन दिनों भी बड़े पैमाने पर भुलसीडीह में वन भूमि की अवैध खरीदी बिक्री की जा रही है। इस गोरखधंधे में दो स्थानीय छुटभैये नेताओं का नाम सुर्खियों में है। यहां दो लाख रुपये डिसमिल की दर से जमीन बेची जा रही है। पूरा कारोबार सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है। भुलसीडीह में जमीन हथियाकर की लोगों ने आलीशान भवन बना लिया है। जमीन हथियाने का सिलसिला अभी भी जारी है। गांव में मेडिकल कालेज के कैम्पस का निर्माण शुरू हो गया है। कालेज की वजह से यहां की जमीन बेशकीमती हो गई है। इसी बात का फायदा उठाकर यहां वन भूमि की अवैध खरीदी बिक्री की जा रही है। आश्चर्य की बात है कि कोरबा शहरी क्षेत्र से सटे भुलसीडीह में वन भूमि की अफरा. तफरी पर डी एफओ कोरबा की अब तक कैसे नजर नहीं पड़ी हैघ् ऐसा प्रतीत होता है कि डी एफ ओ के पास विभाग की प्रॉपर्टी की सुरक्षा करने के लिए समय नहीं है। आपको बताते चलें कि भुलसीडीह गांव की ओर जाने वाली सड़क में करीब ही डूमरडीह में भी कोरबा से कोरकोमा जाने वाली सड़क के किनारे भैंस खटाल की आड़ में करीब 10 एकड़ जमीन पर बेजा कब्जा किया जा रहा है। इसके अलावे भी वन मण्डल कोरबा क्षेत्र के की गांवों में बड़ी संख्या में लोगों ने बेजा कब्जा कर लिया है। यहां तक कि कोरबा के की सफेदपोश लोगों ने फार्म हाउस तक बना लिया है। खेद की बात तो यह भी है कि जिला प्रशासन भी इस सम्बंध में उदासीन बना हुआ है। यही नहीं राजस्व विभाग का अमला भी शासकीय जमीनों की अफरा तफरी में जुट हुआ है।

उद्यानिकी विभाग की योजनाओं से जिले में सब्जी उत्पादन के रकबे में हुई बढ़ोत्तरी

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले में उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ मिलने से किसान सब्जी उत्पादन में रूची ले रहे हैंए जिससे जिले के शहरी व ग्रामीण अंचलों में सब्जी उत्पादन के रकबे में वृद्धि हुई है। जिले के पॉचों विकासखंड में कुल 22733 हेक्टेयर सब्जी का रकबा है। जिसके अंतर्गत विकासखंड कोरबा के . कोरकोमाए बेंदरकोनाए भटगांवए चिर्रा भेलवाटारए विकासखंड करतला के चैनपुरए नोनबिर्राए कनकीए चिचोलीए जमनीपालीए विकासखंड कटघोरा के . कसईपाली एवं भिलाईबाजार विकासखंड पाली के . हरदीबाजारए डांगानालाए चैतमाए लाफाए पोलमीए विकासखंड पोड़ीउपरोड़ा के . नगोईए पसानए जटगाए मोरगा कलस्टर शामिल हैं। इन क्लस्टरों में छोटे बड़े समस्त ग्राम शामिल हैं। किसानों द्वारा इनमें मुख्यत: सब्जी की खेती की जा रही है। कलस्टर निर्माण हेतु विभाग द्वारा ऐसे ग्रामों के समूहों का चयन किया जाता हैए जिसमें 15 से 20 हेक्टेयर में सब्जी की खेती की जाती हैए साथ ही जानवरों से फसल की सुरक्षा हेतु बचाव एवं पानी की पर्याप्त उपलब्धता होती है। उक्त सुविधा उपलब्ध होने पर ही कलस्टर का निर्माण किया जाता है। सहायक संचालक उद्यानिकी से प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत वर्ष 2023.24 में कुल 718 हेक्टेयर में सब्जी क्षेत्र विस्तार हेतु विभागीय लक्ष्य प्राप्त थाए जिसमें से 195 हेक्टेयर में स्वयं से सब्जी की खेती करने वाले उद्यानिकी कृषकों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के तहत् अनुदान भुगतान किया गया है एवं 523 हेक्टेयर में किसानों को बीज वितरण किया गया है जिसमें कुल 949 कृषक लाभान्वित हुये हैं। कोरबा जिले में जिला खनिज संस्थान न्यास मद से मॉडल के रूप में कुल 8 सोलर कोल्ड स्टोरेज की स्थापना की गई है। जिले के विकासखंड पोड़ी.उपरोड़ा के जटगा कलस्टर में ग्राम पचधार में 5 एकड़ में कृषक श्री कमल नारायण के द्वारा पपीता पौध रोपण कराया गया है। जिससे कृषक को आय प्राप्त हो रही है। विभाग द्वारा कृषक को मल्चिंग शीट एवं पैक हाऊस में अनुदान का लाभ दिया गया है। इस वर्ष राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना अंतर्गत सब्जीध्मसाला क्षेत्र विस्तार में कुल 215 हेक्टेयर का लक्ष्य प्राप्त है। सब्जीध्फल एवं अन्य घटकों का लाभ लेने हेतु कृषकगण विकासखंड के अपने नजदीकी शासकीय उद्यान रोपणियों में सम्पर्क कर सकते हैं। जिसके अंतर्गत कोरबा विकासखण्ड के पताड़ी में स्थित शासकीय उद्यान रोपणी में श्रीमती संजना बंजारेए वरिष्ठ उद्यानिकी विस्तार अधिकारी 7697678999ए करतला के शासकीय उद्यान रोपणी पटियापाली में श्री डीण्पीण् मिश्रा उद्यानिकी विस्तार अधिकारी 9907905061ए कटघोरा के शासकीय उद्यान रोपणी पंडरीपानी में श्री अर्जुन सिंह मरावी उद्यानिकी विस्तार अधिकारी 9131902927ए पोड़ी.उपरोड़ा के शासकीय उद्यान रोपणी नगोई में श्री सर्वेश पटेल ग्रामीण उद्यानिकी विस्तार अधिकारी 8103752184 एवं पाली के शासकीय उद्यान रोपणी पोड़ी लाफा में श्री अर्जुन सिंह मराबी उद्यानिकी विस्तार अधिकारी 9131902927 से संपर्क किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री कन्या विवाह: 45 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

रायगढ़(विश्व परिवार)। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के मार्गदर्शन में आज 45 जोड़ों का विवाह रायगढ़ में सम्पन्न हुआ। विवाह में रायगढ़ शहरी, रायगढ़ ग्रामीण तथा पुसौर विकासखण्ड के जोड़े सम्मिलित हुए। गायत्री परिवार द्वारा पारंपरिक रीति से विधिवत विवाह कराया गया। मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री निराकार पटेल एवं श्रीमती शोभा शर्मा उपस्थित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्री निराकार पटेल ने कहा कि यह योजना बहुत ही महत्वपूर्ण है, जिससे गरीब कन्याओं की विवाह में सहायता मिलती है तथा बाल विवाह एवं दहेज प्रथा रूकती है। श्रीमती शोभा शर्मा ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत लाभान्वित जोड़ो को आशीर्वाद देते हुए आने वाले समय में अधिक से अधिक जोड़ो को लाभ देने कहा गया। विवाह के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री पटेल ने प्रत्येक जोड़े को टिकावन दिया। इसी तरह शासन की ओर से प्रत्येक जोड़े को कन्या के नाम से 35 हजार रूपये की राशि उनके बैंक खाते में अंतरित की गई। उपहार के रूप में बैग, श्रृंगार सामाग्री, कपड़े इत्यादि वर-वधु को दिया गया तथा जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र दिया गया। कार्यक्रम में एसडीएम रायगढ़, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास रायगढ़, परियोजना अधिकारी पुसौर, पार्षद श्रीमती सपना सिदार, पर्यवेक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/ सहायिका तथा बड़ी संख्या में विवाह में सम्मिलित होने वाले जोड़ों के परिवार उपस्थित थे ।

स्कार्पियो की ठोकर से तीन युवक गंभीर

जांजगीर-चांपा(विश्व परिवार)। जिले के ग्राम झूलन मोड़ के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन ने सामने से बाइक सवार तीन युवकों को ठोकर मारी है। तीनों को गंभीर चोटें आई है। अमन महेश्वरी (19), यशवंत टंडन (20) और विशाल बंजारे (20) झिलमिली के रहने वाले हैं। तीनों युवकों की हालत को देखते हुए बिलासपुर रेफर किया गया है। घटना पामगढ़ थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार सोमवार को शाम 5 बजे झूलन मोड़ के पास शाकंभरी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष की गाड़ी ने सामने से एक बाइक में सवार तीन युवकों को जोरदार ठोकर मारी है। हादसे में तीनो युवक अमन, यशवंत और विशाल सड़क किनारे दूर जा गिरे। बाइक के परखच्चे उड़ गए। स्कॉर्पियो में शाकंभरी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष राम कुमार पटेल और उसके अन्य साथी बैठे हुए थे। घटना के बाद ग्रामीणों ने आक्रोश था। तीनों घायल युवकों को पामगढ़ सीएचसी अस्पताल लगाया गया। तीनों की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर किया गया है। एक बाइक में सवार तीनों युवक झिलमिली से पामगढ़ की ओर आ रहे थे। वहीं शाकंभरी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार पटेल आपके साथियों के साथ पामगढ़ से अपने गांव भैंसो जा रहे थे। पामगढ़ पुलिस ने घटना स्थल से बाइक और स्कॉर्पियो वाहन को जब्त किया है। फिलहाल, मामले की जांच की जा रही है।

कलेक्टर ने दिव्यांग टिकेश्वर एवं गौरी को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल प्रदान किया

महासमुंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर प्रभात मलिक ने दिव्यांग टिकेश्वर पटेल एवं गौरी खंडेल को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल की चाबी सौंपी। कलेक्टर ने दोनों से चर्चा कर उनके कामकाज के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने दिव्यांगों को जरूरत और आवश्यकता मुताबिक मोटराइज्ड ट्राई साइकिल का तकनीकी ज्ञान और प्रशिक्षण देने कहा तथा समय-समय पर बैटरी चार्ज और अन्य तकनीक के बारे में जानकारी लेने की बात भी कही। 34 वर्षीय दिव्यांग टिकेश्वर पटेल पिथौरा विकासखण्ड के ग्राम अठारहगुड़ी के रहने वाले है, जो सब्जी एवं फल व्यवसाय का कार्य करता है। 30 वर्षीय गौरी खंडेल ग्राम रेमडा में निवास करती है जो पूर्व में निजी कम्प्यूटर ऑपरेटर थी। कलेक्टर के हाथों ट्राई साइकिल पाकर वे दोनों बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि पहले आने-जाने के लिए परिजन या किसी व्यक्ति का सहारा लेना पड़ता था। मोटराईज्ड ट्रायसायकल मिल जाने से अब उन्हें गांव या गांव से बाहर आने-जाने में आसानी होगी। दिव्यांग टिकेश्वर पटेल ने बताया कि अब उन्हें अपने व्यवसाय के द्वारा आर्थिक स्थिति में और सुधार करने का मौका मिलेगा। इसी तरह गौरी खंडेल ने कहा कि मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिलने से मुझे अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर मिला है। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक संगीता सिंह ने बताया कि दोनों दिव्यांग 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग हैं, इसलिए ऑटोमेटिक ट्राई साइकिल समाज कल्याण विभाग द्वारा दी गई है। ताकि वे अपने रोजमर्रा के काम सरलता से करे तथा रोजगार कर अपना जीवन यापन कर सकें।

दैनिक
विश्व परिवार

संपादकीय

आतंकी हमला प्रशासन के लिए चिंता का विषय

जम्मू के कठुआ में सोमवार को सेना के गश्ती दल पर आतंकियों ने घात लगाकर हमला किया जिसमें पांच जवान शहीद हो गए। एक महीने के भीतर कठुआ में दूसरी बार आतंकी हमला हुआ है जो सरकार, सुरक्षा बल और प्रशासन के लिए चिंता का विषय है। पिछली कुछ आतंकी घटनाओं का ट्रेंड बता रहा है कि दहशतगर्दों ने अपनी रणनीति में बदला किया है। अब जम्मू और विशेषकर कठुआ आतंक का नया गढ़ बनता दिख रहा है। हालांकि जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और आतंकवाद के शुरुआती दिनों में यह इलाका आतंकवादियों का अच्छा खासा ठिकाना बन गया था। लेकिन सुरक्षा बलों ने विशेष अभियान चलाकर कठुआ और उसके आसपास के इलाके को आतंक से मुक्त करा लिया था। संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में अमन-चैन बहाल हो रहा था लेकिन जब से विधानसभा चुनाव की आहट तेज हुई है, अचानक आतंकवादी सक्रिय हो गए हैं। हाल के महीनों में आतंकियों ने सीमावर्ती जिले पूंछ, राजौरी, डोडा और रियासी में एक के बाद एक हमले किए हैं। अब आतंकी घाटी की ओर से जम्मू की ओर रुख करने लगे हैं। इसकी बड़ी वजह कठुआ की प्रकृति और बनावट है। यह क्षेत्र पहाड़ियों और घनघोर जंगलों से भरा-पूरा है और इसके एक ओर पाकिस्तान की सीमा लगती है और दूसरी ओर पंजाब और हिमाचल है। सीमा पार से आने वाले आतंकवादी वारदात को अंजाम देकर जंगलों के रास्ते पाकिस्तान वापस चले जाते हैं। इस जिले की जनसांख्यिकी भी कश्मीर घाटी से अलग है। यहां हिन्दुओं की आबादी अधिक है। ऐसा हो सकता है कि चुनाव से पहले सांप्रदायिक माहौल खराब करना भी पाक प्रायोजित आतंकवादियों का एक राजनीतिक लक्ष्य हो। इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि रियासी में इसी इरादे से श्रद्धालुओं की बस को निशाना बनाया गया हो। यह कहा जाता है कि आतंकवाद की कोई निश्चित उम्र नहीं होती। देखा गया है कि कभी-कभी यह एक समय बाद स्वत- ही खत्म हो जाता है। लेकिन कश्मीर में जारी आतंकवाद के पीछे पाकिस्तान की बड़ी भूमिका से कोई भी इंकार नहीं कर सकता।

साइबर अपराधों में काफी विविधता

सतीश सिंह

भारत में साइबर अपराधों में काफी विविधता आई है। 'तू डाल-डाल, मैं पात-पात' की तर्ज पर अपराधी अब नये-नये तरीकों से साइबर अपराध को अंजाम दे रहे हैं। नई मोडस ऑपरेंडी है 'डिजिटल हाउसअरेस्ट'। इस तकनीक की मदद से ऑनलाइन फ्रॉड में काफी तेजी आई है। उदाहरण के तौर पर,11 मई को एक बुजुर्ग डॉक्टर को डिजिटली हाउसअरेस्ट करके 45 लाख रुपये ठगे गए। 15 अप्रैल को इंदौर के एक दंपति को 53 घंटों तक हाउसअरेस्ट करके रखा गया और लाखों रुपये ठगे गए। 6 जुलाई को वाराणसी में 3 दिनों तक डिजिटल हाउसअरेस्ट के जरिए सोनारपुरा के निहार पुरोहित से 28.75 लाख रुपये ठगे गए। आजकल ऑनलाइन गेमिंग के जरिए भी ठगी की जा रही है। कूरियर, रिश्तेदार, दोस्त की गिरफ्तारी आदि की धमकी, अश्लील वीडियो आदि नये-नये तरीकों की मदद से ठगी करने की वारदात में तेजी आई है। स्नैप चैट, फेसबुक और इंस्टाग्राम भी अब ठगी के साधन बन गए हैं। मित्र या रिश्तेदार की फर्जी प्रोफाइल बनाकर ऐसी ठगी को अंजाम दिया जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2023 में भारत में 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की गई और पिछले दशक में भारतीय बैंकों में 65017 धोखाधड़ी के मामले दर्ज हुए। ये आंकड़े निश्चित रूप से डराने वाले हैं। हाल के वर्षो में कॉल फॉरवर्डिंग के जरिए साइबर अपराध करने की घटनाओं में उल्लेखनीय तेजी आई है। टेलीकॉम कंपनियां उपभोक्ताओं को कॉल फॉरवर्डिंग की सुविधा देती हैं, जिसके तहत कॉल एवं एसएमएस को फॉर्वड किया जाता है। इस सुविधा का इस्तेमाल उपभोक्ता तब करते हैं, जब मीटिंग या किसी जरूरी काम में व्यस्त होते हैं, ताकि कोई जरूरी कॉल मिस न हो। इसके जरिए स्कैमर कॉल करके उपभोक्ताओं को यह कहता है कि हम आपकी टेलीकॉम प्रोवाइडर कंपनी से बोल रहे हैं।

हमने नोटिस किया है कि आपके नंबर पर नेटवर्क की समस्या है। समस्या को दूर करने के लिए आपको 'स्टार 401 हैशटैग' नंबर डायल करना होगा। यह नंबर डायल करने के बाद उपभोक्ता को अंजान नंबर पर कॉल करने के लिए कहा जाता है। जैसे ही, उपभोक्ता कॉल करता है, उसके सभी कॉल और मैसेज स्कैमर के पास पहुंच जाते हैं। अनुसंधानकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने हाल ही में 'विश्व साइबर अपराध सूचकांक' तैयार किया है, जिसके अनुसार साइबर अपराध के मामले में भारत दुनिया में 10वें स्थान पर है। इस सूचकांक में 100 देशों को शामिल किया गया है। इसके मुताबिक साइबर अपराध के मामले में रूस शीर्ष पर है, जबकि यूक्रेन दूसरे, चीन तीसरे, अमेरिका चौथे, नाइजीरिया पांचवें, रोमानिया छठे और उत्तर कोरिया सातवें स्थान पर है। बीते कुछ वर्षो से गूगल सर्च इंजन पर लोग अपने हर प्रश्न का जवाब ढूंढ रहे हैं। ऐसे मनोविज्ञान को दृष्टिगत कर ठग नामचीन भुगतान एप्स जैसे गूगल पे, फोन पे, पेटीएम के नाम से अपना नंबर इंटरनेट पर सहेज रहे हैं जिसके कारण खुद से लोग हैकर्स के जाल में फंस जाते हैं। अब तो ब्राउजरएक्सटेंशनके डाउनलोडिंग के जरिए भी साइबर अपराध किए जा रहे हैं। यह काम वायरस के जरिए किया जाता है। सार्वजनिक चार्जर पोर्ट के माध्यम से भी मोबाइल एवं लैपटॉप संक्रमित हो जाते हैं। क्रोम, मोजिला आदि ब्राउजर के जरिए किए गए ऑनलाइन लेन-देन ब्राउजर के सर्वर में सेव हो जाते हैं, जिन्हें सेटिंग में जाकर डिलीट करने की जरूरत होती है, लेकिन अज्ञानतावश लोग ऐसा नहीं करते हैं, और इसका फायदा साइबर ठगों को मिल जाता है। फिशिंग के तहत किसी बड़ी या नामचीन कंपनी या फिर यूजर की कंपनी का फर्जी बेवसाइट बनाकर, जिसका स्वरूप असली बेवसाइट जैसा होता है से लुभावने मेल किए जाते हैं, जिसमें मुफ्त में महंगी चीजें देने की बात कही गई होती है। मोबाइल का चलन बढ़ने के बाद हैकर्स एसएमएस या व्हाट्सएप के जरिए भी ऑफर वाले मैसेज भेजते हैं, जिनमें मैलवेयर युक्त हाइपर लिंक दिया हुआ होता है। मैलवेयर, कंप्यूटर या मोबाइल या टैब में इंस्टॉल सॉफ्टवेयर को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ यूजर की वित्तीय जानकारी जैसे डेबिट या क्रेडिट कार्ड का विवरण, उनके पार्सवड, ओटीपी, मोबाइल नंबर, पता, बैंक खाता नंबर, जन्मतिथि आदि चुरा लेता है। यह यूजर की जानकारी के बिना उसके ईमेल खाते से दूसरे को फर्जी ईमेल भी भेज सकता है और इसके जरिए ठगी करने के साथ-साथ संवेदनशील जानकारी अवांछित लोगों को बेची भी जा सकतीं है। साथ ही साथ, इसकी मदद से किसी की सामाजिक प्रतिष्ठा को भी धूमिल किया जा सकता है। आजकल साइबर अपराधी फोन कॉल्स या एसएमएस द्वारा लोगों को बिना कर्ज लिए ही कर्जदार बता कर उनसे पैसों की वसूली कर रहे हैं। ऐसी ब्लैकमेलिंग छोटी राशि मसलन 2000 से 5000 रु पये के लिए ज्यादा की जा रही है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर लोग पुलिस में शिकायत नहीं करें। लोन रिकवरी एजेंट यह धमकी देते हैं, आपने हमसे कर्ज लिया है और अगर दो-तीन दिनों में पैसे वापिस नहीं करेंगे तो आपकी आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल कर दी जाएंगी या आपके सगे-संबंधियों या सहकर्मियों के साथ साझा कर दी जाएंगी और सबूत के तौर पर वे मोफर्ड तस्वीरें और वीडियो भेजते हैं। मोबाइल एप से लोन लेना सूदखोर या महाजन या साहूकार से भी ज्यादा खतरनाक है। कई बार लोन रिकवरी एजेंट लोगों से सिर्फ पैसे ही नहीं ठगते हैं, बल्कि समाज में उन्हें बदनाम भी कर देते हैं। अगर लोग ब्राउजिंग सेशन के दौरान संदेहास्पद पॉपअप से सतर्क रहें, और सुनिश्चित करें कि वेबसाइट्स या मोबाइल या पब्लिक लैपटॉप या डेस्कटॉप पर कार्ड की जानकारी साझा नहीं करेंगे, अंजान नंबर या ईमेल आईडी से आए अटैचमेंट को तुरंत डिलीट कर देंगे और ऑनलाइन लॉटरी, कैसिनो, गेमिंग, शॉपिंग या फ्री डाउनलोड वाले मैसेज की उपेक्षा करेंगे तो फिशिंग मेल या एसएमएस या व्हाट्सएप के जरिए फॉर्वड होने वाले संदेहास्पद हाइपर लिंक के जाल से बचा जा सकता है। मामले में सावधानी ही बचाव है। लालच नहीं करें। यह सभी समस्याओं की जड़ है। मनोवैज्ञानिक दबाव में नहीं आएं। धमकी मिलने पर पुलिस की मदद लेने से हिचकें नहीं। तभी साइबर अपराध का शिकार बनने से बचा जा सकता है।

विशेष लेख

सूड़ानवासी की किसी को फिक्र भी नहीं

श्रुति व्यास

सूडानवासी दुनिया के सबसे बड़े विस्थापन संकट की पीड़ा झेल रहे हैं। लेकिन किसी को उनकी फिक्र नहीं है। और हो भी क्यों? क्या सूडान हमेशा से उथल-पुथल और उत्पातों के लिए जाना नहीं जाता रहा है? क्या अकारण टकरावों में उलझे रहना ही इस अफ्रीकी देश की किस्मत नहीं है? सूडान पश्चिमी ताकतों की प्राथमिकता की सूची में हमेशा से बहुत नीचे रहा है। शक्तिशाली पश्चिमी नेताओं की इस देश में न के बराबर रूचि है। वे या तो प्रतिबंध लगाकर उसे दुनिया से अलग-थलग कर देते हैं, या फिर, जैसा कि उन्होंने क्रांति के बाद किया, जल्दबाजी में और बिना सोचे-विचारे आपस में लड़ रहे दो सशस्त्र पक्षों को समझौते के लिए बाध्य करते हैं। नतीजा यह कि सूडान फिर एक ऐसा देश बन जाता है, जिसमें सशस्त्र संघर्ष जारी रहते हैं और सत्ता चंद हाथों में केंद्रित रहती है। सूडान अफ्रीका के सबसे बड़े देशों में से एक है। उसके पास लाल सागर का मनोरम तटीय इलाका है, नील नदी के किनारे उपजाऊ जमीन है और ऐसी सांस्कृतिक और नस्लीय विविधता है जो उसे अरब और अफ्रीकी संस्कृतियों का मिलनस्थल बना सकती है। सूडान पर हमेशा से गिने-चुने लोगों का राज रहा है जो न तो सत्ता और न ही संसाधन किसी दूसरे से साझा करने में विश्वास रखते हैं। आज सत्ता को लेकर चल रही खींचातानी का नतीजा वहां की जनता को भुगतना पड़ रहा है। वहां के लोगों को कयामत जैसे हालातों का सामना करना पड़ रहा है। सन् 2023 में शुरू हुए युद्ध में अब तक हजारों लोग मारे जा चुके हैं, दसियों लाख अपने घर छोडऩे को बाध्य हुए हैं, और शहर के शहर बरबाद हो गए हैं। हत्याएं, यंत्रणा, दुष्कर्म, अकाल, बीमारियांङ्क इस देश के लोगों ने क्या नहीं झेला है। संयुक्त राष्ट संघ ने इन हालातों को हाल के इतिहास की सबसे सबसे भयावह मानवीय आपदा बताया है, जिससे लगभग ढाई करोड़ लोग पीड़ित हैं। सन् 1965 में स्वतंत्र होने के बाद से ही सूडान में गृहयुद्ध एवं तख्तापलट का लम्बा सिलसिला चल रहा है। पिछले वर्ष वहां की सेना (एसएएफ) और एक अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के बीच सशस्त्र टकराव शुरू होने से एक और गृहयुद्ध प्रारंभ हो गया। दोनों के बीच संबंध कभी अच्छे नहीं थे। मगर तानाशाह राष्टपति उमर अल-बशीर का दोनों पर नियंत्रण था और इसलिए वे खुलकर एक दूसरे से नहीं भिड़े। फिर एक जन आंदोलन के कारण अल-बशीर का तख्तापलट हो गया। कुछ समय तक सेना और आरएसएफ ने एक-दूसरे के साथ सत्ता साझा की मगर फिर दोनों ने तय किया कि एकछत्र राज के बिना उनका काम नहीं चलने वाला है। राजधानी खार्तूम पर आरएसएफ का कब्जा हो गया है, जो देश के इतिहास में एक अभूतपूर्व घटना है। देश के अन्य हिस्सों पर भी उसका नियंत्रण कायम होता जा रहा है। नागरिकों को लूटा जा रहा है, उन पर हमले हो रहे हैं और उनकी हत्याएं की जा रही हैं। आरएसएफ पर यह आरोप भी है कि उसने दारफुर में अश्वेत अफ्रीकियों का पूरी तरह सफाया करने का प्रयास किया। नस्लीय सफाई का यह आरोप विश्वसनीय है। आरएसएफ का गठन सेना ने ही कुख्यात जंजावीड सैनिकों के बचे-खुचे दस्तों से किया था। सेना ने जंजावीड सैनिकों की मदद से दारफुर क्षेत्र में वहशी तरीके से विद्रोह को कुचला था। मगर अब सेना द्वारा गठित आरएसएफ, उसी के लिए भस्मासुर बन गया है। दोनों पक्षों पर नागरिकों से लूटपाट और दुष्कर्म करने और लोगों की जान लेने और मानवीय सहायता पहुंचाने में बाधा डालने के आरोप हैं। कुछ इलाके पूरी तरह से शेष देश से कट गए हैं और वहां मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ज़रूरी चीजें पहुंचाना भी संभव नहीं रह गया है। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में रहने वाले जिंदा रहने के लिए पत्तियां और बीज खाने को बाध्य हैं। हिंसा के चलते दसियों लाख सूडानियों को अपने घर छोडऩे पड़े हैं। दुनिया के हर आठ में से एक आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्ति (ऐसे लोग, जिन्हें अपने घरों से पलायन करना पड़ा लेकिन जिन्होंने अपना देश नहीं छोड़ा है) सूडान में हैं, जिससे यह अपनी तरह का विश्व का सबसे भीषण संकट बन गया है। अब लोग सूडान की सीमा पार कर दूसरे देशों में भी जा रहे हैं। पड़ोसी चाड की सरकार के अनुसार इस वर्ष के अंत तक लगभग दस लाख शरणार्थी सूडान से चाड पहुंच सकते हैं। देश की सीमा पर पहुंचने वालों की बढ़ती संख्या के लिए खाने की व्यवस्था करना चाड के लिए चुनौतीपूर्ण बन गया है ।

सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने-अपने तीर

नीरजा चौधरी

सत्तारूढ़ राजग गठबंधन के संख्या-बल को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष का पद ओम बिरला को मिलना प्रत्याशित था, मगर स्वस्थ संसदीय परंपरा के मुताबिक उनका इस पद पर सर्वसम्मति से न चुना जाना अप्रत्याशित माना जाएगा। पिछले पांच दशकों में यह पहला मौका था, जब लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने थे। देश के संसदीय इतिहास में अब से पहले तीन बार ही ऐसा मौका आया था। हालांकि, इस बार भी सरकार की ओर से सर्वानुमति बनाने की लगातार कोशिशें होती रहीं, लेकिन बात नहीं बन सकी और अंततः ध्वनिमत से ओम बिरला व विपक्ष के उम्मीदवार के सुरेश के बीच लोकसभा अध्यक्ष पद का फैसला किया गया।अध्यक्ष पद पर इस तनातनी के सत्ता पक्ष और विपक्ष के लिए अलग-अलग संकेत हैं। सत्ता पक्ष, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह संकेत देना चाहते थे कि बेशक इस बार उनकी सरकार सहयोगी दलों पर निर्भर है, लेकिन नीतिगत मोर्चे पर निरंतरता कायम है। फिर चाहे मंत्रिमंडल का गठन हो या राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का चयन या फिर प्रधान सचिव की नियुक्ति, सभी पदों पर कमोबेश पुराने चेहरों के ऊपर ही भरोसा किया गया है। ऐसे में, लोकसभा अध्यक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद भला कैसे छोड़ा जा सकता था? प्रधानमंत्री अपनी इस निरंतरता को राजनीतिक स्थिरता के रूप में पेश करना चाहते हैं। वह बताना चाहते हैं कि भाजपा के अल्पमत में होने के बावजूद यह एक मजबूत सरकार है, जिस पर उनका पूरा नियंत्रण है। वह कमजोरी का कोई संकेत नहीं देना चाहते, जो आमतौर पर गठबंधन की सरकार में देखी जाती है। रही बात विपक्ष की, तो इस आम चुनाव में वह काफी मजबूती से उभरा है। वह सत्ता पक्ष के हरेक वार पर पलटवार करना चाहेगा। के सुरेश का नाम आगे करने के पीछे भी यही राजनीति थी। चूंकि सुरेश केरल से आठ बार सांसद रहे हैं और मौजूदा सदन के सबसे वरिष्ठ सांसद भी हैं, इसलिए विपक्ष उनको अस्थायी लोकसभा अध्यक्ष, यानी प्रोटेम स्पीकर बनाने की मांग कर रहा था, जिसे यह कहकर खारिज कर दिया गया कि दो आम चुनावों में वह सदन का हिस्सा नहीं बन सके थे। इसीलिए, भतृर्हरि महताब को यह दायित्व सौंपा गया, क्योंकि वह सात बार सांसद रह चुके हैं। सत्ता पक्ष के सुरेश के नाम पर सहमत होकर सौहार्दता का परिचय दे सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, नतीजतन, विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए के सुरेश का नाम आगे कर दिया। हालांकि, मामला सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं था। के सुरेश दलित हैं। उनके नाम पर दांव खेलकर विपक्ष ने यह संदेश देने की भी कोशिश की है कि वह दलितों का हिमायती है और सत्ता पक्ष ऐसा नहीं चाहता। 2024 के चुनाव में दलित-कार्ड काफी अहम साबित हुआ है। आंकड़ों की मानें, तो दलितों का वोट भाजपा से छिटका है। चूंकि मुस्लिम भाजपा के वोटर नहीं माने जाते, इसलिए आकलन है कि दलित-मुसलमान का जातिगत समीकरण सत्तारूढ़ दल पर आगे भारी पड़ सकता है, क्योंकि इन दोनों की आबादी मिलकर करीब 32-33 प्रतिशत हो जाती है। चुनाव में 'इंडिया' ब्लॉक को पूर्वी उत्तर प्रदेश में ओबीसी का भी साथ मिला है और ब्राह्मण व राजपूत भी भाजपा से कुछ हद तक नाराज हैं। ऐसे में, विपक्ष की मंशा आने वाले विधानसभा चुनावों में इस जातिगत समीकरण का लाभ उठाने की हो सकती है। फिर, के सुरेश दक्षिण के नेता भी है, जहां से कांग्रेस को मुश्किल दिनों में संजीवनी मिलती रही है। जाहिर है, सत्ता पक्ष प्रधानमंत्री मोदी के उस कथन को लोकसभा में साकार करने से चूक गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार बहुमत से बनती है, लेकिन देश सहमति से चलता है। उपाध्यक्ष पद विपक्ष को देकर अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति बनाई जा सकती है, लेकिन लगता यही है कि बतौर सहयोगी चंद्रबाबू नायडू ने इस पद पर अपना दावा जता दिया है। मुमकिन है, मोल-भाव में माहिर चंद्रबाबू नायडू ने अध्यक्ष पद छोड़ने के एवज में उपाध्यक्ष पद के साथ-साथ अमरावती को अपने सपनों की राजधानी बनाने के लिए केंद्र से आर्थिक मदद मिलने का वादा हासिल किया हो। हालांकि, इसकी सच्चाई कुछ दिनों के बाद ही सामने आएगी।बहरहाल, संसद में विपक्ष की आक्रामकता आगे भी कायम रह सकती है। बुधवार को ही आपातकाल की निंदा करने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ मोर्चा खोल दिया गया, जो संकेत है कि अगले पांच साल सरकार के लिए आसान नहीं रहने वाले। लिहाजा, संसदीय कार्य मंत्री को काफी मेहनत करनी पड़ सकती है। उनकी मुश्किल इसलिए भी बढ़ सकती है, क्योंकि विपक्षी नेताओं से उनके रिश्ते अब भी उतने मधुर नहीं बन सके हैं, जबकि एक अच्छे संसदीय कार्य मंत्री के लिए विपक्षी नेताओं से अच्छा रिश्ता काफी अहमियत रखता है। मुझे आज भी याद है कि जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और प्रमोद महाजन संसदीय कार्य मंत्री। एक बार जब पूरा सत्र शोर-शराबे में खत्म होने वाला था, तब सेंट्रल हॉल में प्रमोद महाजन ने न सिर्फ विपक्ष के तमाम नेताओं से बात की, बल्कि उनको सदन चलाने के लिए राजी भी कर लिया। ऐसी अपेक्षा अब किरेन रिजिजू से भी होगी। दरअसल, एक सोच यह है कि नरमी दिखाने से सरकार को कमजोर मान लिया जाएगा, जबकि गठबंधन की सरकारों में नरमी और लचीलापन मजबूती व स्थिरता का हिस्सा माने जाते हैं। दिक्कत यह भी है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष में विश्वास की भारी कमी है, जो कदम-कदम पर दिख रहा है। ऐसे में, जरूरी है कि आपसी विश्वास को मजबूत किया जाए। यदि नीट-नेट परीक्षा, अग्निवीर योजना, बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों पर सदन में बहस होती है, तो मुमकिन है कि विपक्ष अपनी सार्थक भागीदारी निभा सके। मगर यदि सत्र हंगामे की भेंट चढ़ते गए, तो देश के साथ-साथ लोकतंत्र को भी काफी नुकसान हो सकता है। उम्मीद है, ओम बिरला अपने इस महती दायित्व को समझ रहे होंगे। उनके सामने सोमनाथ चटर्जी जैसे उदाहरण हैं, जिन्होंने अपनी पार्टी के विचार को अध्यक्ष पद का दायित्व संभालने के दौरान खुद पर हावी नहीं होने दिया।

गुरु के प्रति कृतज्ञता जाहिर करने का पर्व गुरु पूर्णिमा

संजय जैन बड़जात्या

पुरातन काल से ही गुरु की महिमा अनुपम, अनूठी अतुलनीय व जीवन को नूतनता की ओर ले जाने वाली रही है।भारतीय संस्कृति में गुरु को भगवान से पहले पूज्यनीय बताया गया है क्योंकि गुरु ही गोविंद को प्राप्त करने का सदमार्ग बताते हैं। वर्तमान में गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने या उनके उपकारों को याद करने के लिए जैन,बौद्ध व हिन्दू धर्म मे गुरु पूर्णिमा मनाने की परंपरा है। इस महान दिवस पर हिन्दू धर्म मे आदि गुरु ऋषि व्यास का अवतरण दिवस, बौद्ध धर्म में भगवान बुद्ध ने सारनाथ में अपने शिष्यों को पहला उपदेश दिया था और जैन परंपरा मे अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर ने इंद्रभूति गौतम को अपना पहला शिष्य बनाने का उल्लेख मिलता है। गुरु से पूर्व प्रत्येक जीव की प्रथम गुरु जननी अर्थात जन्म देने वाली मां होती है जो प्रसव पीड़ा सहन कर, वात्सल्य भाव पूर्वक अपनी कुक्षी से पुत्र पुत्री को जन्म देकर उन पर बहुत बड़ा उपकार करती है मां शब्द को परिभाषित करना कठिन ही नहीं अपितु अति कठिन प्रतीत होता है। इसका मुख्य कारण आप सब समझ सकते हैं कि जिसके उपकार को जीवन भर भुलाया नहीं जा सकता। उसे हम

शब्दों से परिभाषित कैसे करें? मां शब्द जो की संस्कृत के मातृ शब्द से बना है एक प्रमुख किवदंती यह भी है कि यह शब्द गौ द्वारा बछड़े बछडी को जन्म देने के बाद ही उद्घाटित हुआ है। भारतीय संस्कृति तथा कुछ गर्न्थो के अनुसार मां शब्द की उत्पत्ति गोवंश से हुई है। गाय का बच्चा बछड़ा जब जन्म लेता है तो वह सर्वप्रथम अपने रंभाने में जो स्वर निकालता है वह मां होता है यानी कि बछड़ा अपनी जन्मदात्री को मां के नाम से पुकारता है। मां शब्द ही अपने आप में पूर्ण है। माता शब्द में मां का अर्थ है ममतामयी तथा ता का अर्थ है तारक अर्थात तारने वाली। मां इस संसार रूपी भंवर से रक्षा करने वाली होती है। मां के स्मरण मात्र से ही एक भावभीनी सुगंध से मन का हर कोना महक उठता है। यदि विचार करें तो मां को जहां प्रथम गुरु की उपमा दी गई है वहीं पर गुरु को पूर्ण मां की उपमा दी गई है। और वहीं से यह गुरु पूर्णिमा पर्व प्रारंभ हुआ है। गुरु लौकिक जिन्हें अकादमिक या शैक्षणिक कहते व अलौकिक जिन्हें आध्यात्मिक कहते हैं जो सांसारिक शिक्षा प्रदान करें वह लौकिक और जो संसार चक्र से मुक्ति का मार्ग बताएं वह अलौकिक गुरु होते हैं। यह पर्व अपने आराध्य, पूज्य जिन्होंने हमें सद मार्ग दिखाया है। ऐसे गुरु के प्रति कृतज्ञता जाहिर करने का सबसे बड़ा दिवस है गुरु पूर्णिमा का यदि संधि विच्छेद करें तो गुरु+ पूर्ण + मां अर्थात गुरु पूर्णिमा जिस प्रकार पूनम का चांद स्वयं में पूर्ण व बृहद होता है। तन- मन दोनों को शीतलता प्रदान करता है। उसी प्रकार गुरु भी हमें बुराइयों से निकालकर अच्छाइयों की ओर ले जाते हैं अर्थात हमारे सारे पापों को हर लेते हैं और हमें सद मार्ग रूपी शीतलता प्रदान करते हैं। वर्तमान समय में इस पर्व को मनाने की परंपरा जैन संप्रदाय के साथ-साथ सभी संप्रदायों में अब बढ़ने लगी है। एक समय था जब गुरु द्रोणाचार्य के प्रति एकलव्य ने गुरु दक्षिणा के रूप में कृतज्ञता प्रकट की थी और आज इस स्वरूप को लेकर हम सबको भी गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा रखते हुए इस पावन पर्व को मनाना चाहिए किंतु यदि हम केवल दिखावे वह होड़ (जिसे हल्की भाषा में नंबर बढ़ाना कहते हैं) की दृष्टि से इस पर्व को मना रहे हैं तो फिर सार्थकता से परे है। गुरु वचन को प्रमुखता से पालन करना चाहिए ऐसा हम कर पाते हैं या नहीं कर पाते, यह तो स्वयं ही विचार करने का विषय है। यह पर वास्तविक रूप से बड़ा ही अनूठा अद्भुत मन के विकारों को दूर कर गुरु उपकार दिवस है।

न हताश न निराश न थका हुआ हूँ,
उम्मीद का दिया जलाए हर पल आगे बढ़ा हूँ।
जब भी डगमगाए कदम गुरु ने थाम लिया,
चुनोतियों से अटे जीवन मे बड़ी दृढ़ता से डटा हुआ हूँ।।

सिद्धचक्र महामंडल विधान में अर्ध समर्पित करने से बुद्धि का विकास होता है, कठिनाइयां कम होती है : अंकित भैया जी

सिद्धचक्र महामंडल विधान में आज रिद्धियों के 64 अर्ध समर्पित किए गए

भाटापारा (विश्व परिवार)। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर भाटापारा में बाल ब्रह्मचारी अंकित भैया जी बाल ब्रह्मचारी राजकुमार भैया जी के मंगल सानिध्य में सिद्धों की आराधना का महापर्व श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान संपन्न किया जा रहा है। प्रात: काल भगवान की प्रतिमा पांढुक शिला में विराजमान कर भगवान का अभिषेक एवं शांति धारा संपन्न की गई।शांति धारा करने का सौभाग्य श्री अभिनव सुरभि मोदी, श्रीमती बीना गौरव गदिया, श्री पंकज गदिया को प्राप्त हुआ। शांति धारा के पश्चात श्री जी की मंगल आरती एवं नमोकर मंत्र की जप माला का कार्य संपन्न हुआ।

आज 64 रिद्धियो के अर्ध समर्पित किए गए : श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान में क्रमश: 8, 16, 32, 64, 128, 256, 512, और अंतिम दिन 1024 अर्ध समर्पित किए जाते हैं। आज 64 ऋद्धियों के अर्ध समर्पित किए गए।आज सिद्ध चक्र महामंडल विधान का विशेष दिन होता है, सभी ऋद्धियो के बारे में विद्वान के द्वारा पूर्ण रूप से व्याख्या की जाती है, आज बाल ब्रह्मचारी अंकित भैया जी के माध्यम से समस्त जैन समाज को उन 64 ऋद्धियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। तीर्थंकर भगवान, आचार्य, उपाध्याय, मुनि साधु परमेष्ठी, के द्वारा अपने तप के माध्यम से ज्ञान के माध्यम से अर्जित की जाती है। उन रिद्धियो के माध्यम से जो पूर्व में कार्य हुए हैं उनकी सारी जानकारी आज ब्रह्मचारी भैया जी के माध्यम से प्राप्त हुई। बाल ब्रह्मचारी अंकित भैया जी ने बतलाया की सिद्ध चक्र महामंडल में जो विद्यार्थी, गर्भवती महिलाएं अर्ध चढ़ाती हैं, उनके बुद्धि का विकास होता है। पति-पत्नी अर्ध चढ़ाते हैं उनकी कठिनाइयां कम होती है। विधान में अर्ध चढ़ाने से सभी कष्ट का निवारण होता है। इसलिए हर जैन परिवार को इस विधान में शामिल होकर अर्ध जरूर समर्पित करना चाहिए।

श्री दिगंबर जैन परवार पंचायती मंदिर की बेदी में भगवान की प्रतिमा के उपर चांदी के छत्र एवं सिंहासन हेतु भैया जी के माध्यम से जैन समाज के श्रावकों ने अपनी स्वीकृति प्रदान की।

आज 64 रिद्धियों का महाअर्ध जयमाला के पश्चात श्रीमती सुमन लता प्रकाश, अनिल, आलोक, सुरेश, विनोद मोदी, अभिषेक मोदी, रजनी, नेहा, सुरभि, अभिनव, अभिनंदन, सुमन अंशु, अरिंजय, आदि, अक्षत, रोशनी आर्नव, अनायशा, गुड़िया सेवंती, एवं समस्त मोदी परिवार के द्वारा समर्पित किया गया।

बाल ब्रह्मचारी अंकित भैया ने जी ने प्रवचन में बतलाया कि मनुष्य सुनो दुनिया की सब चीज छूट जाए तो छोड़ देना पर धर्म नहीं छोड़ना, धर्म गया तो सब गया, धर्म बचा तो सब बचा रहेगा, भारत पाकिस्तान बंटवारे के बाद जब जैन समाज के हीरे सोने के व्यापारी पाकिस्तान सेभारत वापस आ रहे थे, तो वहां के मंदिर की प्रतिमाओं को भारत लाना था, घर मकान बंगला कोठी सब छोड़ कर आ रहे थे, पर बोले हम भगवान को भारत जरूर लेकर जाएंगे, एक समय आया कि उनके जहाज में वजन ज्यादा होने के कारण उन्हें अपने सब सामान छोड़ने पड़े, अंत में भगवान की बारी आई, उनके पास हीरे जवाहरात सोना चांदी और भगवान की प्रतिमा बची थी, तब उन्होंने हीरे जवाहरात सोने चांदी सब समुद्र में डाल दिए, और भगवान की प्रतिमा को लेकर के भारत आ गए, आज भी वह मंदिर वह प्रतिमा मुल्तानी मंदिर के नाम से जयपुर में विद्यमान है।

एक लाख तीस हजार अजैनों को जैन बनाने वाले युगप्रधान दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सूरीश्वर जी की 870वीं पुण्यतिथि मनाई गई

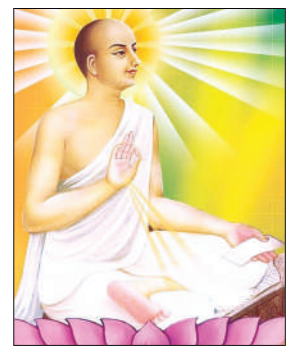

रायपुर (विश्व परिवार)। चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में प्रथम दादागुरुदेव श्री जिनदत्त सूरि जी की 870 वीं पुण्यतिथि धूमधाम से मनाई गई। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि एक लाख तीस हज़ार अजैनों को जैन बनाने वाले एकावतारी युगप्रधान दादागुरुदेव श्री जिनदत्त सूरीश्वर जी की पुण्यतिथि के अवसर पर दादागुरुदेव की बड़ी पूजा भक्ति भाव से की गई। प्रथम दादागुरुदेव श्री जिनदत्त सूरि जी की गुणानुवाद सभा में अध्यक्ष संतोष बैद ने कहा कि 12 वीं शताब्दी में जब भारत में मुगल साम्राज्य द्वारा मंदिर व मूर्तियों को खंडित किया जा रहा था उस समय सुप्रसिद्ध जैन आचार्य श्री जिनदत्त सूरि जी ने अपने तपोबल व साधना से धर्म की रक्षा की। एक समय उज्जैन में उनके प्रवचन के समय 64 योगनियां श्राविका का रूप कर दादा जिनदत्त सूरी को कपट पूर्वक तंग करने आई जिसे अपने दिव्य ज्ञान से जानकर उन्हें मंत्र बल से उनके आसन में ही स्तंभित कर दिया जिससे 64 योगनियों ने नतमस्तक होकर आचार्य श्री को 7 वरदान दिए तथा सदैव उनकी आज्ञा पालन का वचन दिया वही अपनी साधना से 52 व्यंतर देव को भी सिद्ध किया तथा इन सभी सिद्धियों का जनहित में प्रयोग कर मुगल बादशाह को प्रभावित किया एक बार नगर में चतुर्मास प्रवेश के समय मुगल बादशाह के पुत्र कि घोड़े से गिरकर मृत्यु को हो गई तब आचार्य श्री ने बादशाह के पुत्र को अपने सिद्धिबल से व्यंतर देव को उनके शरीर में प्रवेश करा कर जीवित कर दिया तथा बादशाह ने पुत्र के जीवित हो जाने की खुशी में अपने राज्य में दादा श्री जिन्दत सूरी के उपदेश से सभी मंदिर मूर्तियों को खंडित नहीं करने का आदेश जारी कर दिया दादा श्री ने साढ़े तीन करोड़ माया बिज मंत्रो को सिद्ध किया, उज्जैन में वज्र स्तंभ मंत्र युक्त ग्रंथ रखे थे जिन्हे निकालने में कोई भी समर्थ नहीं था जिसे उन्होंने अपने सिद्धि बाल से निकाला अजमेर में जैन प्रतिक्रमण में शाम को बिजली का प्रकोप हुआ अनेक धर्म प्रेमी को बचाने बिजली को अपने पात्र में स्तंभित कर दिया तब विद्युत देवी ने वरदान दिया की जिनदत्त सूरी की आन है कहने से विद्युत प्रकोप नही होगा प्रथम दादा श्री के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी में आयोजित स्वर्गारोहण महोत्सव की गुणानूवाद सभा में ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद ने आगे कहा की प्रथम दादा को युग प्रधान की उपाधि नागदेव श्रावक को अम्बा देवी के हथेली में स्वर्ण संदेश लिखा जिसे कोई भी आचार्य नही पढ़ पाया तब आचार्य श्री के मंत्रित वासक्षेप डालकर अपने शिष्य से पढ़वाया उस श्लोक में देवी ने लिखा था दासानुदासा इव सर्व देवा, यदिय पादाब्ज तले लूठनती, मरुस्थली कल्पतरु सजीयात, युगप्रधानो श्री जिनदत्त सूरी, ऐसे हमारे प्रथम दादा युगप्रधान के रूप में देवी अम्बा द्वारा प्रतिष्ठित हुए आज हम सभी उनके अनंत उपकारों का स्मरण करने ही उपस्थित हुए है इनके द्वारा 130000 नूतन जैन बनाए गए। दादागुरुदेव की बड़ी पूजा में अष्ठप्रकारी पूजा में वर्द्धमान चोपड़ा, निर्मल पारख, डॉ योगेश बंगानी, दीप्ति बैद, मंजू कोठारी, ममता नाहर, सरला बैद सहित श्रद्धालुओं ने भाग लिया। अंत में आरती व मंगल दीवा किया गया। -**संतोष जैन**

मनोहर गौशाला के ट्रस्टी पहुंचे राजस्थान, यहां के गौशाला के संबंध में ली जानकारी

रायपुर (विश्व परिवार)। खैरागढ़ मनोहर गौशाला के ट्रस्टी अखिल जैन ने अपनी टीम के साथ राजस्थान के नागौर स्थित श्री कृष्ण गौशाला एवं पशु चिकित्सा केंद्र का भ्रमण किया। इस दौरान नागौर गौशाला के संचालक व डॉक्टरों से उन्होंने विस्तृत रूप से चर्चा की और अपने गौशाला के साथ निर्माणाधीन पशु चिकित्सालय के संबंध में उन्हें जानकारी दी। मनोहर गौशाला के ट्रस्टी अखिल जैन ने मनोहर गौशाला में होने वाले रिसर्च के साथ ही गोबर एवं गौ मूत्र से फर्टिलाइजर निर्माण, मूर्ति, दीये, माला सहित अन्य निर्माण के संबंध में भी बताया। जैन ने अपनी टीम के साथ नागौर के भव्य गौशाला का भ्रमण किया और वहां पशुओं को रखने की व्यवस्था देखी। उन्होंने श्री कृष्ण गौशाला के संचालक सहित वहां के डॉक्टरों व सदस्यों को गाय एक वरदान की किताब भेंट की। इस मौके पर आदर्श नाहटा भी मौजूद रहे। बता दें कि मनोहर गौशला खैरागढ़ में आने वाले समय में 1 हजार से अधिक पशुओं की सेवा करने के लिए एशिया का सर्वसुविधायुक्त पशु चिकित्सालय का निर्माण किया जा रहा है। यहां दूसरे जगहों से पहुंचे पशुओं का भी इलाज किया जा सकेगा।

इन्दौर की धरती पर मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज की भव्य ऐतिहासिक मंगल अगवानी

विदिशा (विश्व परिवार)। आचार्य गुरुदेव विद्यासागरजी महामुनिराज के धर्मप्रभावक शिष्य शंकासमाधान के द्वारा जन जन की समस्याओं का समाधान करने बाले मुनि श्री प्रमाण सागर जी,मुनि श्री निर्वेग सागर जी मुनि श्री संधान सागर जी सहित समस्त क्षुल्लक जी महाराज स संघ का महानगरी इन्दौर में जैसे ही प्रथम आगमन हुआ की मंगल आगवानी में इन्दौर में विराजमान मुनि श्री विनम्र सागर जी महाराज स संघ उदयनगर जैन मंदिर पहुंच गये और इस ऐतिहासिक दो संतों के मिलन को उपस्थित धर्मश्रद्धालुओं ने देखा तो गुरूदेव की जयजयकार गुंज उठी। इसमंगल अगवानी को धर्म प्रभावना समिति एवं सकल जैन समाज इन्दौर ने मिलकर संयोजना बनाई। सड़क के दौनों और लगातार चार घंटे तक जन सैलाब उमड़ पड़ा मुनिसंघ के साथ सड़क के दौनों और भव्य रंगोली की गई थी आगे आगे हाथी था उसके बाद,कृत्रिम हाथी, 3 रथ,तथा छोटे छोटे बच्चे, अपनी नन्ही साईकल के साथ आकृषण का केंद्र थे पाठशाला केबच्चों के हाथ में जैन ध्वज था वंही इंदौर का राजकमल बेंड अपनी वृहद टीम के साथ गुरु भक्ती की धुन में साथ चल रहे भक्तों की भक्ती को उत्साह वर्धन कर रहा था शोभायात्रा लगातार पांच किलोमीटर तक चार घंटे चलती रही फिर भी उत्साह में कमी नहीं आई। महिला मंडल कलश के साथ था वंही गुजराती,महाराष्टियन संस्कृति तथा अन्य संस्कृति को दर्शाती नृत्य करती महिलायें शोभायात्रा के आकर्षण का केंद्र रही। अंजनी नगर महिला मंडल अपने बेंड के साथ था वंही राजस्थानी थीम और साउथ इंडियन थीम पर नृत्य करती महिला मंडल थे, पंजाबी बेंड ने अपना प्रदर्शन किया।

भगोरिया आदिवासी नृत्य टीम, विभिन्न महिला मंडल,अपनी विशेष पोषाक में थे मशहूर गायक मयूर अपनी स्वर लहरिओं से भक्तों को नाचने पर मजबूर कर रहे थे ।यातायात व्यवस्था को आर एस एस के कार्यकर्ता संभाल रहे थे। इस अवसर पर सड़क के दौनों ओर खड़े श्रद्धालुओं ने मुनिभक्ती का परिचय देते हुये दूर से ही आरती की और मुनि श्री ने सभी को अपना आशीर्वाद प्रदान किया इस अवसर पर इंदौर के सांसद एवं विधायक तथा जन प्रतिनिधिओं ने भी आकर मुनिसंघ से आशीर्वाद लिया। शोभायात्रा मोहता भवन पहुंची एवं विशाल धर्म सभा में परिवर्तित हो गयी इस अवसर पर मुनि श्री प्रमाण सागर जी ने आशीर्वाद देते हुये इंदौर की जैन समाज और धर्म प्रभावना समिति के सभी कार्यकर्ताओं को आशीर्वाद देते हुये कहा कि जिसके हृदय में संत प्रकट हो जाते है,उनके अंदर सज्जनता आ जाती है, हम देख रहे है कि इन्दौर की जैन समाज में गुरु भक्ति कूट कूट कर भरी है,हृदय में जंहा श्रद्धा, भक्ति सेवा समर्पण का भाव रहता है। वंहा के लोगों का हृदय धर्म के प्रति जागरुक रहता उन्होंने श्रीराम के परम भक्त हनुमान का उदाहरण देते हुये कहा कि सेतुबंध का कार्य चल रहा था, बड़ी बड़ी शिलाओं पर हनुमान श्री राम लिखकर पानी में डाल रहे थे श्री राम ने सोचा चलो हम भी हनुमान की मदद कर दें और उन्होंने सिला पर श्री राम लिखा और सिला को पानी में डाला कि वह डूव गई तो श्री राम भी आश्चर्य चकित होकर हनुमान से बोले कि यह बात किसी को बताना मत कि मेने श्री राम नाम लिखा और बह सिला पानी में डूव गयी तो हनुमान बोले कि में यह बात तो चीख चीख कर बताऊंगा जिस पर प्रभु का नाम लिखा होता है वह डूव नहीं सकता और जो प्रभु के हाथ से छूट जाऐ उसे कोई बचा नहीं सकता मुनि श्री ने कहा कि में इन्दौर पहली बार आया हूं आप लोगों की गुरु भक्ति से अभिभूत हुं यह चातुर्मास एतिहासिक होगा जिसमें धर्म की ही चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि गुरु की सच्ची सेबा उनकी चर्या में अनुकूल रखकर सहयोगी बनना है इन चार माह में अहं का विसर्जन करके आना यदि आप अहंकार के साथ आओगे तो कुछ भी न पा पाओगे,एक बालक के समान अपने आपको बनाकर अपने अहं को छोड़कर आनंद से भरकर इस चातुर्मास में अपनी श्रद्धा और समर्पण दिखाकर अपने हृदय को बातसल्य भाव और आनंद से भर लैना।

-**अविनाश जैन**

मंडल अपने पूर्वाग्रह, भेदभाव एवं विवाद छोड़कर एक कमंडल में आ जाएं तो अखण्ड भारत का स्वप्न साकार हो जावेगा : मुनि श्री विरंजनसागर जी

जबलपुर (विश्व परिवार)। आज प्रात: 7.30 बजे रानीताल चौराहे से गढ़ा फाटक खोवामण्डी, कमानिया होते हुए, श्री नन्हें जैन मंदिर हनुमानताल रोड़ श्री मुनि श्री 108 उपाध्याय विरंजनसागर जी महाराज ससंघ का शुभागमन हुआ, मुनि श्री की आगवानी की शोभायात्रा की भव्यता में ऊंठ, घोड़े, दलदल घोड़ी एवं पाठशाला के बच्चों व महिलाओं के दिव्य घोष, मन्दिर जी से जुड़ी महिलाओं की एकरंग की साड़ी एवं सिर पर पचरंगी कलश के साथ पर्यावरण को बचानें के स्लोगन भरे पोस्टर शोभायात्रा का विशेष आकर्षण रहा। चूँकि मोहर्रम के मातमी जलूस का दिन होने के कारण प्रशासन ने समन्वय बना उत्तम व्यवस्थाएं कर रखी थीं जिसके कारण शोभायात्रा निर्धारित समय में पूर्ण की गई। श्री नन्हें मन्दिर जी पहुँच कर उपाध्याय श्री ने आज के प्रथम प्रवचन में तीर्थंकर महावीर का उदाहरण देते हुए कहा कि सिंह का जीव भी मांसाहार त्याग कर अहिंसक बन मोक्ष गया और तीर्थंकर प्रकृति का बरण करते हुए महावीर बन गया, मुनि गण ने अपने प्रवचन में चौमासे पर बोलते हुए कहा कि अहिंसात्मक समाज को धार्मिक बनाना ही चौमासे का प्रमुख उद्देश्य होता है जैन मुनियों के अहिंसक उपकरण कमंडल का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि सारे मंडल अपने पूर्वाग्रह, भेदभाव एवं विवाद छोड़कर एक कमंडल में आ जाएं तो अखण्ड भारत का स्वप्न तुरंन्त साकार हो जावेगा।

आज के कार्यक्रम में जैन पंचायत सभा के अध्यक्ष कैलाश चंद्र जी ने नन्हे मन्दिर अध्यक्ष आंनद उजियामुरी सहित समस्त मंदिरों एवं चातुर्मास कमेटी के सदस्यों के साथ दीप प्रज्जवलन कर आयोजन की शुरुआत की, कार्यक्रम का संचालन श्रीमती निधि सुनील तारबाबू एवं राकेश बासल ने किया एवं नवकार महिला मंडल की बहिनों ने मंगलाचरण की भावभीनी प्रस्तुतियां दीं। महाराज श्री के प्रथम आहार सुनील, बसंत गढावाल के चौके में सानन्द सपन्न हुए।

मुनि श्री के नन्हे मन्दिर जी में सांसंघ पधारने से हनुमानताल क्षेत्र का वातावरण आगामी चार माहों तक धर्ममय हो गया।

-**संजय चौधरी**

जैन धर्म में कर्मो की प्रधानता भावों में निर्मलता जरूरी : मुनि श्री महासागर जी महाराज

पार्श्वनाथ जैन अटामंदिर में सिद्धों की आराधना, भक्तिपूर्वक हुए 128 अर्घ समर्पित

ललितपुर (विश्व परिवार)। संसार में पाप कोई एक करता है और उस पाप का फल हजारों लाखों लोग भोगते हैं। जैन धर्म को भावना प्रधान धर्म बताते हुए उन्होंने बताया कि धर्मात्मा वही है जो क्रिया के साथ साथ अपने भावों पर भी ध्यान दे। कहीं आप इन्द्रिय विषयों की प्राप्ति के लिए तो यह कार्य नहीं कर रहे हैं।धर्मात्मा तो वह है जो अन्तरंग श्रद्धा के साथ धार्मिक क्रियाओं में लगा हो। मुनि श्री महासागर महाराज ने कहा सिद्धों की आराधना जीवन में पुण्यकारी होती है। व्यक्ति धर्मस्थान में रहकर भी अन्त:करण से पाप में लिप्त रहता है।क्रिया तो धार्मिक होती है पर मन उस क्रिया में नहीं लगता यानि व्यक्ति के मोक्षमार्ग को बाधित करती है। ऐसा व्यक्ति संसार के सारे लौकिक कार्य तो बड़े उत्साह से करता है पर जैसे ही धर्म कार्य का नम्बर आता है तो उसे प्रमाद घेर लेता है। नगर के पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अटामंदिर में आयोजित सिद्धचक्र महामंडल विधान में इन दिनों अपूर्व धर्मप्रभावना हो रही है। आज प्रात:काल विधान के प्रारम्भ में प्रभु अभिषेक के उपरान्त शान्तिधारा मुनि श्री 108 अविचल सागर महाराज के मुखारविन्द से हुई जिसमें अजय जैन गंगचारी, प्रेमचंद्र विरधा, संतोष जैन एडवोकेट ने पुण्यार्जन किया। आज विधान में सिद्धों की आराधना कर 128 अर्घ प्रभु के सम्मुख विधान के प्रमुख पात्र सौधर्म इन्द्र नीलम, राकेश कामरा, कुवेर शालनी-राजेश जैन कैलगुंवा, महायज्ञनायक कलीबाई- शिखरचंद्र जैन झरावटा, श्रीपाल मैनासुन्दरी सुधा, राजेन्द्र जैन मिठ्या, सुमन-विमल कुमार जैन पीहर, समीक्षा, रजनीश जैन गदयाना, अंजना-रवीन्द्र बुखारिया, अर्चना-संतोष जैन एडवोकेट ने समर्पित किए। जैन समाज चंदेरी के मंत्री अविनाश सिंघई, अमित स्टील, राकेश जैन, मुकुल चौधरी, आशीष सर्राफ सहित महिला मण्डल ने सिद्धचक्र विधान में भक्तिपूर्वक द्रव्य अर्पित की। इस मौके पर जैन पंचायत अध्यक्ष डा0 अक्षय टडैया, शीलचंद्र अनौरा, ज्ञानचंद इमलिया, विनोद कामरा, भगवानदास कैलगुवा, अखिलेश गदयाना, धन्यकुमार जैन एड, महेन्द्र मयूर, अनूप जैन कैरू, श्रेयांस जैन गदयाना, आनंद जैन भागनगर, डॉ. संजीव कडंकी मौजूद रहे। विधान की व्यवस्थाओं को संयोजित करने में विधान प्रभारी सतीश जैन नजा, प्रबंधक मनोज जैन बबीना का विशेष सहयोग मिल रहा है।

-**अक्षय अलया**

तपोभूमि प्रणेता आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज का वर्षायोग हेतु हुआ ऐतिहासिक मंगल प्रवेश

इस बार 10 दिन की जगह 100 दिन के 10 लक्षण पर्व होंगे प्रज्ञा सागर महाराज

झालरापाटन (विश्व परिवार)। श्री महावीर तपोभूमि प्रणेता व्याख्यान वाचस्पति गुरु भक्त शिरोमणि आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने बुधवार को 35 वे वर्षा योग के लिए नगर में ससंघ मंगल प्रवेश किया। सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से बुधवार सुबह 8 बजे सुनेल तिराहा पर आचार्य प्रज्ञा सागर संघ की अगवानी की। यहां से बैंड बाजों के साथ मुनि संघ का जुलूस निकाला गया। जिसमें सफेद वस्त्र में समाज के पुरुष एवं चुनरी पहने महिलाएं, नन्हे मुन्ने बालक बालिकाएं नृत्य करते चल रही थे। पूरे मार्ग में जगह-जगह तोरण द्वार व प्रत्येक चौराहे पर रंगोली सजाई गई।

जानकारी देते हुए श्री नलिन लुहाड़िया ने बताया की इस दौरान जगह जगह श्रावको ने आचार्य का पाद प्रक्षालन कर स्वागत किया। जुलूस मुख्य मार्ग से होता हुआ शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचा। मार्ग में जुलूस का भारत विकास परिषद अध्यक्ष पवन शर्मा, सचिव जगदीश गुप्ता, विजयमेहता , हेमंत भावसार, बालकिशनसेठिया, पवन सच्चर, सुरेंद्र डांगी, अंशु पोरवाल, देवेश काबरा, विजय मूदंडा, सुरेश चौरसिया, राम बल्लभ रावल, मोहित गुप्ता , राजस्थान पोरवाल महासभा अध्यक्ष सविता गुप्ता, पिंकीमेहता, प्रियंका सेठिया, कपड़ा व्यापार संघ अध्यक्ष योगेश झड़िया, मुकेश मंत्री, भुवनेशमंत्री, टीकम खत्री, विशाल शर्मा, जगदीश गुप्ता, नेमीचंद माधवानी, सूर्य मंदिर पर पूर्व विधायक मोहनलाल राठौर , विजय सिंह राठौर, अशोक मेहता, नंदलाल राठौर, पदम राठौर, मांगीलाल शर्मा, भारत राठौर, बालचंद राठौर, दिनेश बगड़ावत, जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप चंद्रावती अध्यक्ष राकेश जैन, संस्थापक अध्यक्ष संजय बाफना, उपाध्यक्ष सौरभ जैन, राजू ओसवाल, रजनीश मारू, सचिव प्रिंस जैन, प्रचार सचिव अंकित जैन, चेयरमैन प्रमोद सकलेचा, अक्षय भंसाली, शुभम मेहता, संयम जैन, रितेश जैन ने पुष्प वर्षा और पाद प्रक्षालन कर स्वागत किया।

मुनि श्री की अगवानी में नगर कांग्रेस अध्यक्ष चंद्र प्रकाश लाला राठौर, चंद्रावती ग्रोथ सेंटर अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बृजमोहन बैरवा, दिनेशकोठारी, शैलेंद्र पोरवाल, कैलाशयादव, अंतरिक्ष माथुर, प्रदीप तिवारी, शंकर रेगर, पंकज शर्मा, नितिन सेठी, विक्की शर्मा, जतिन राठौर, मुकेश खामोरा, भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष महेश बटवानी, पूर्व विधायक निर्मल कुमार सकलेचा, भानु खत्री, नितेश परमार, राजेंद्र शर्मा, भूपेंद्र जैन, मनीष चांदवाड, मीत सकलेचा, अनिल राठौर, भाजपा पिड़ावा मंडल अध्यक्ष कमल कासलीवाल भी शामिल थे।

श्री महावीर तपोभूमि प्रणेता व्याख्यान वाचस्पति गुरु भक्त शिरोमणि आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने कहा कि यहां पर उनका पूरा चातुर्मास पर्यावरण को समर्पित रहेगा। शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर बाड़ा में आचार्य ने उनके 35 वे वर्षा योग पर नगर आगमन के बाद आयोजित धर्म सभा में कहा कि झालरापाटन में इस बार 10 दिन की जगह उनके सानिध्य में 100 दिन के 10 लक्षण पर्व होंगे होंगे। जिसमें हर दिन समय, तप और पूजा पाठ होंगे जिससे श्रावको का पूरा चातुर्मास धर्म ध्यान को समर्पित रहेगा। नलिन लुहाड़िया से प्राप्त जानकारी के साथ **अभिषेक जैन लुहाड़िया**।

देवेन्द्र जैन (झंडा) एवं डॉ. सुनील संचय बने ट्रस्टी

साढ़ूमल (विश्व परिवार)। परम पूज्य गणेश प्रसाद वर्णी जी की प्रेरणा से स्थापित शताधिक वर्ष से संचालित श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साढ़ूमल जनपद ललितपुर उत्तर प्रदेश के रिक्त ट्रस्टी पद पर विद्यालय के पूर्व प्रबंधक श्री देवेन्द्र जैन झंडा वाले साढ़ूमल एवं विद्यालय के पूर्व स्नातक युवा विद्वान डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर को विद्यालय का ट्रस्टी मनोनीत किया गया है।

विद्यालय के ट्रस्टी सेठ सुधीर जी जैन झांसी के आवास पर ट्रस्ट कमेटी की आयोजित बैठक में सर्व सम्मति से उक्त निर्णय लिया गया।

इस मौके पर हेड ट्रस्टी डॉ सुनील जी सेठ भोपाल, ट्रस्टी सेठ सुधीर जैन झांसी, श्री कंछेदी सिंघई मड़ावरा, विद्यालय के अध्यक्ष वर्द्धमान जैन, प्रबंधक कमल कुमार जैन, मंत्री राजेश जैन, पंडित संतोष शास्त्री सौरई आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ पंडित संतोष शास्त्री सौरई के मंगलाचरण से हुआ।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर गुरूवार 18 जुलाई 2024

संक्षिप्त समाचार

पिकअप वाहन पलटी, एक की मौत कई घायल

सारंगढ़-बिलाईगढ़(विश्व परिवार)। जिले के बरमकेला के मध्य जंगल मार्ग पर मोड़ के पास पिकअप वाहन पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं 20 लोग घायल हो गये जिनमें से 6 लोगों को गंभीर चोट पहुंची है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को एक पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 13 यूडी 6326 में सवार होकर सारंगढ़ के 21 मजदूर बरमकेला के किसी निर्माण स्थल में काम करने जा रहे थे। इसी दौरान बरमकेला के मध्य जंगल मार्ग पर मोड़ के पास वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में सारंगढ़ तहसील के ग्राम बड़े खर्री निवासी छबिलाल जोल्हे पिता हीरालाल जोल्हे उम्र 45 वर्ष की मृत्यु हो गई है। वहीं रया सिदार पिता छेदीलाल उम्र 20 वर्ष, ओमप्रकाश साहू पिता रामेश्वर साहू उम्र 30 वर्ष, गीता मैत्री पिता किसम मैत्री, उम्र 35 वर्ष, सीमा मुंडा पिता गणेश उम्र 20 वर्ष, राम गुलाल पिता आनंदराम उम्र 30 वर्ष, राम सिंह साहू पिता गोपी उम्र 50 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गये है जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रायगढ़ मेडिकल कालेज रिफर किया गया है। वहीं हादसे में घायल अन्य 14 लोगों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरमकेला में चल रहा है। हादसे के बाद घायलों से मिलने पहुंचे कलेक्टर धर्मेश साहू ने घायलों के बेहतर इलाज के लिए सीएमएचओ डॉ अवधेश पाणीग्राही को निर्देश दिए। एसपी पुष्कर शर्मा ने घायलों से मिलकर उनके इलाज आदि के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम सारंगढ़ अनिकेत साहू ने मृतक के परिवार को सड़क दुर्घटना में तात्कालिक सहायता राशि 25 हजार रुपए दी है।

युवक के सुसाईड का विडियो वायरल

जगदलपुर(विश्व परिवार)। जगदलपुर में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस हादसे का वीडियो भी सामने आाया है। वीडियो में विडियो में युवक के खुदकुशी की पूरी घटना कैद हो गई है। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के अनुसार युवक का नाम अभय बघेल (21 वर्ष) है। वह जगदलपुर के आमागुड़ा का रहने वाला था। सोमवार को उसने घर में परिवार के साथ खाना खाया और फिर अपने कमरे में सोने चला गया था। अचानक रात में उठकर पास ही स्थित शहीद स्मारक के पीछे वाले इलाके में पहुंच गया और पेड़ पर फंदा बनाकर झूल गया। इसके बाद घटना की जानकारी सिटी कोतवाली पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। युवक के सुसाइड करने का कारण अभी पता नही चला है। पुलिस उसका मोबाइल खंगाल रही है। साथ ही परिजनों से पूछताछ कर रही है। इधर यह पूरा हादसा घटना स्थल के पास के ही एक बिल्डिंग के बाहर लगे सीसीटीव्ही कैमरे में कैद हो गया जो वायरल हो रहा है। विडियो में देखा जा सकता है कि कैसे युवक पेड़ के नीचे खड़े होकर पहले सिगरेट पी रहा है तथा इसके बाद पेड़ पर चढ़ा और पेड़ पर बंधे फंदे पर झूल गया और तड़पते हुए उसकी मौत हो गई।

पहाड़ी क्षेत्र ओंड आमामोरा में लगा स्वास्थ्य कैंप

गरियाबंद(विश्व परिवार)। बारिश शुरू होते ही मुश्किलों का दौर हुआ शुरू ,मौसमी बुखार के साथ मलेरिया के मिल रहें मरीज। माननीय कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गार्गी यदु पाल मैडम के मार्गदर्शन में गत दिनों गरियाबंद जिले के जिला मलेरिया अधिकारी डॉक्टर एम मनीष और 10 सदस्यीय टीम द्वारा जिले के दुर्गम पहाडियों पर बसे उप स्वास्थ्य केंद्र ओड के सभी आश्रित ग्रामों जोबपारा,कुकरार, नगरार हथौड़ाडीह में घर घर जाकर मलेरिया सर्वे किया गया।नगरार और जोबपारा में गई टीम को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा,सर्वे करने गई टीम की चार पहिया वाहन कीचड़ भरे रास्ते में 1 घंटे फंसी रही वहीं दूसरी ओर नगरार जा रही स्वास्थ्य टीम ने दोपहिया वाहन से जैसे तैसे पहुंच कर लोगो का उपचार किया। गावों में घर घर भ्रमण कर सर्वे टीम द्वारा 1140 लोगों रैपिड मलेरिया टेस्ट किया गया।जांच में 8 मलेरिया धनात्मक रोगियों को एसीटी किट की प्रथम डोज दवा खिलाकर त्वरित उपचार किया गया।जिला मलेरिया अधिकारी ने विजिट के दौरान मलेरिया से बचने हेतु लोगो को सोते समय मच्छरदानी उपयोग करने और लार्वा समाप्ति हेतु पानी से भरे गड्ढों में जला हुआ तेल डालने और खाली बर्तनों टायर टंकी में पानी जमा न होने देने और घरों के आसपास साफसफाई रखने के निर्देश दिए।गांव की मितानिन के पास पर्याप्त मात्रा में मलेरिया जांच और उपचार कीट के साथ बुखार,उल्टी दस्त और मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए दवाइयां उपलब्ध कराई गई।11 सदस्यीय टीम में ग्रामीण चिकित्सा सहायक विकास वर्मा,पर्यवेक्षक यू एस आयाम,एस आर मरकाम,जयसिंह सिदार, कृष्णा पैकरा नीरज कन्नौजे,ज्ञानदास मानिकपुरी सी एच ओ दुर्गेश पुरेना और एम टी नेकराम और गांव के सभी मितानिन उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माण कार्यों को पूर्ण करने दें सर्वोच्च प्राथमिकता : कलेक्टर

कलेक्टर ने जिले में खनिज राजस्व वृद्धि हेतु सभी निर्माण एजेंसियों को खनिज रॉयल्टी की राशि तत्काल जमा करने के निर्देश दिए।

जगदलपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्माण कार्यों को पूर्ण करने में सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। विशेष कर बस्तर, बास्तानार जनपद में लक्ष्य के आधार आवश्यक प्रगति दें। कलेक्टर ने जिले में खनिज राजस्व वृद्धि हेतु सभी निर्माण एजेंसियों को खनिज रॉयल्टी की राशि तत्काल जमा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर विजय मंगलवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभा कक्ष में समय-सीमा की बैठक में उक्त निर्देश दिए। समय-सीमा की बैठक में समय-सीमा के प्रकरण, जन चौपाल, जन शिकायत पर चर्चा कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किए। विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की साप्ताहिक समीक्षा में कृषि विभाग और संबद्ध विभाग पशुधन, मत्स्य, उद्यानिकी द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड तैयार करने एवं सहकारी केंद्रीय बैंक तथा अन्य बैंकों में प्रस्तुत केसीसी प्रकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने खाद-बीज की उपलब्धता और आवश्यकता की जानकारी सातों ब्लॉकों के ग्रामीण विस्तार अधिकारियों से लेकर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में पोषण वाटिका किचन गार्डन के विकास, एनआरएलएम बैंक लिंकेज की प्रगति, लखपति दीदी योजना के क्रियान्वयन, स्वास्थ्य विभाग के योजनाओं के क्रियान्वयन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मनरेगा में मजदूरों की स्थिति, अमृत सरोवर, पीएम विश्वकर्मा योजनांतर्गत, उद्योग स्थापना, प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजनांतर्गत स्वीकृत कार्यों की, बस्तर विकास प्राधिकरण मद अंतर्गत स्वीकृत कार्यों और हितग्राही मूलक कार्यो की एजेंसीवार वर्ष 2020-21 से 2023-24 तक के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। मनरेगा के तहत आंगनबाड़ी भवन और पीडीएस दूकान निर्माण की भौतिक प्रगति जनपद पंचायतवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्माण पूर्ण भवनों का हैण्डओवर करने की स्थिति का संज्ञान लिया।

पीएम जनमन योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी- कलेक्टर दीपक कुमार

जनसमस्या निवारण शिविर में जिला अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे- कलेक्टर

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि समय-सीमा के लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर शुक्रवार 19 जुलाई को मैनपुरखुर्द में आयोजित किया जायेगा। इससे पूर्व उन क्षेत्रों के ग्रामीणों को जनसमस्या निवारण शिविर की जानकारी से अवगत कराने के लिए मुनादी कराये। ताकि ग्रामीण शिविर में आकर अपनी मांग, समस्या, शिकायत एवं अन्य आवेदन विभागीय अधिकारी को दे सके। उन्होंने कहा कि शिविर में सभी जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी अनिवार्य रूप से शिविर के दिन उपस्थित रहेंगे। इससे पूर्व स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों को भी शिविर के बारे में जानकारी दे और उन्हें शिविर में आने के लिए आमंत्रित करें। शिविर स्थल पर ग्रामीणों के लिए पर्याप्त बैठक व्यवस्था, विभागीय स्टॉल, पार्किंग, छाया, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारी ग्रामीणों को अपने-अपने विभागीय योजनाओं की जानकारी देने एवं पात्र हितग्राही को योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिये। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभागीय स्टॉल लगाकर शिविर स्थल पर आये ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक दवाई उपलब्ध कराये। बैठक में कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि जिले में यदि कही बोरवेल खुला है, तो उसे कैपिंग करें। जिससे कि किसी प्रकार की जनहानी न हो। उन्होंने आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी छात्रावास एवं आश्रम अधीक्षकों की बैठक बुलाये और उन्हें आश्रम-छात्रावास के सही तरीके से संचालन के बारे में जानकारी दे। राजीव युवा मितान क्लब के लिए पंचायतों को दी गई राशि का आडिट का कार्य शीघ्र पूरा कराये। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति एवं छूटे हुए लोगों के लिए गांवों में शिविर लगाकर आवास, आयुष्मान कार्ड, किसान सम्मान निधि, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, केसीसी, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, राशन कार्ड, पीएम विश्वकर्मा, बैंक में खाता खोलना सहित अन्य योजनाओं से उन्हें शत प्रतिशत लाभान्वित करें। इन कार्यो में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कृषि विभाग के उप संचालक को रबी सीजन में किसानों को फसल चक्र करते हुए धान के बदले अन्य फसल के पैदावार करने के लिए प्रेरित करने एवं कार्य योजना बनाने को कहा।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

कांकेर(विश्व परिवार)। कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से अपनी विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को लेकर पहुंचे लोगों से मुलाकात की। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के लिए अग्रेषित किया। जनदर्शन में आज कुल 27 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में मुख्य रूप से ग्राम किरगोली निवासी कुशल कुमार कुंजाम ने निजी बैंक के द्वारा लोन वितरण के संबंध में शिकायत की, जिस पर कलेक्टर ने लीड बैंक मैनेजर को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम बनसागर निवासी संतराम कुंजाम ने सीसी रोड निर्माण कार्य की जांच कराने, ग्राम केंवटी निवासी पुष्पा रावटे ने ईलाज की क्षतिपूर्ति राशि दिलाने और ग्राम पण्डरीपानी निवासी रामदुलारी ठाकुर ने आर्थिक सहायता की मांग सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से मांगों एवं समस्याओं को लेकर कई आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को अग्रेषित किया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर जनदर्शन प्रत्येक मंगलवार को जिला कार्यालय में दोपहर 12 बजे से आयोजित होता है, जिसमें जिले के आम नागरिक कलेक्टर को अपनी समस्याओं एवं मांगों से अवगत करा सकते हैं।

राष्ट्रीय सिकलसेल एनिमिया उन्नमूलन मिशन अंतर्गत किया जा रहा निःशुल्क सिकलसेल जांच

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सिकलसेल एनिमिया उन्नमूलन मिशन अंतर्गत जिले में 0 से 40 वर्ष के आयु वर्ग के लोगों की स्क्रीनिंग प्रत्येक समूहवार चिन्हाकिंत कर की जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि सिकलसेल एक अनुवांशिक रोग है, इसलिए जब तक खून की जांच नहीं करवाई जाए तब तक इस रोग की जानकारी नहीं मिलती है। सिकल सेल रोगी या परिवार को अपने नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान में निःशुल्क परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से सिकलसेल माह अभियान अंतर्गत सिकलसेल जांच कराने की अपील की है। साथ ही अभिभावकों से शासकीय स्कूल में बच्चों को सिकलसेल की जांच हेतु प्रेरित करने तथा अनिवार्यतः जांच कराने का आग्रह किया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि सिकलसेल रोग एक आनुवांशिक रक्त रोग है, जो प्रभावित रोगी के पूरे जीवन को प्रभावित करता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा राजनांदगांव शहरी क्षेत्र के शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों में स्वास्थ्य टीम द्वारा सिकलसेल जांच की जा रही हैं। जिसमें रोगी वाहक की पहचान कर उनका परामर्श तथा उपचार की समुचित व्यवस्था की जा सकें। सिकलसेल जांच बहुत ही आसान है, इसमें व्यक्ति को किसी भी प्रकार प्रतिकुल प्रभाव नहीं होता है। सिकलसेल स्क्रीनिंग का उद्देश्य सिकलसेल रोग के सभी रोगियों के बेहत्तर भविष्य के लिए उनकी देखभाल में सुधार करना और रोग की व्यापकता को कम करना है।

खेती और किराना दुकान शुरू करके ग्राम बालूद की कमला ने तय किया तरक्की का सफर

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्वरोजगार के अनेकानेक अवसर देने के राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) प्रयास अब सही मायनो में रंग ला रहे है। ग्रामीण महिलाएं भी अब इस तथ्य को भलीभांति समझ रही है कि खेती किसानी और घर गृहस्थी के काम के अलावा भी उनकी एक अलग पहचान होना समय की मांग है और यह पहचान आत्मनिर्भर एवं आर्थिक सशक्तिकरण से ही संभव है और इसी के बदौलत ही वे बच्चों की शिक्षा दीक्षा के खर्च और परिवार के अन्य जरूरतें पूरा करने में हाथ बंटा सकती है। इस क्रम में जिला मुख्यालय से 3 किमी दूरी में बसा ग्राम पंचायत बालूद में निवासरत श्रीमती कमला ठाकुर एवं उनका परिवार अपने जीवन यापन के लिए परंपरागत खेती से ही जुड़ा हुआ था। फिर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के जरिये उन्होंने दिव्या स्व सहायता का गठन किया। इस समूह में अधिकतर सभी 10 महिलाएं निर्धन परिवार से संबंधित थी और सभी महिलाएं गृहिणी ही थी। इन महिलाओं को सी.आर.पी. दीदीयों के द्वारा बिहान योजना के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी गई। समूह से जुड़ने के पश्चात श्रीमती कमला ठाकुर ने घर के काम एवं खेती के साथ-साथ लघु व्यवसाय करने का विचार किया इस प्रकार कुछ नया करने की सोच के साथ उन्होंने बिहान के माध्यम से ही ग्राम संगठन के द्वारा 1,20,000 ऋण प्राप्त कर किराना दुकान शुरू किया। जिसमें उनके परिवार ने भी उनका साथ दिया और उनके द्वारा समय से ग्राम संगठन से लिये गये ऋण को ब्याज सहित चुकता भी कर दिया गया। इसी आत्मविश्वास के बलबूते उन्होंने अपने दुकान को विस्तार करने के उद्देश्य से पुनः बैंक से ऋण के रूप में 50,000 राशि लेकर अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है। अपनी आत्मनिर्भरता की वजह से आज वे अपने परिवार की जिम्मेदारी को सुगमता से निभा रही है।

पढ़ाई का दबाव नहीं ले, अपना सर्वोच्च प्रदर्शन करें : विधायक किरण सिंह देव

ज्ञानगुड़ी आदिवासी अंचल के बच्चों को अन्य बड़े शहरों के बच्चों से प्रतियोगी परीक्षा में प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्लेटफार्म - कलेक्टर

जगदलपुर(विश्व परिवार)। विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि पढ़ाई का दबाव नहीं ले, अपना सर्वोच्च प्रदर्शन करें। अपने निर्धारित लक्ष्य के साथ पढ़ाई पर फोकस करें और परीक्षा की तैयारी करें। सभी विद्यार्थियों को ज्ञानगुड़ी की बधाई। इस सत्र में ज्ञानगुड़ी में बस्तर, रायपुर, बिलासपुर संभाग से बच्चे चयनित हुए हैं, ज्ञानगुड़ी से पहला सत्र में नीट परीक्षा में 64 बच्चे क्वालिफाइंग किए इसके लिए चयनित बच्चे सहित संस्था के शिक्षकों की मेहनत के लिए बधाई। ज्ञानगुड़ी में पढ़ाई के अवसर का लाभ लें, मन लगाकर पढ़ाई करें, आधुनिक तकनीक का भी उपयोग करें। उन्होंने कहा कि राजनीतिक, सामाजिक, लोकार्पण-शिलान्यास जैसे कार्य में जाते रहते हैं, परंतु स्कूली बच्चों के इस तरह का कार्यक्रम में आना सौभाग्य की बात है। आज की परिस्थिति में सभी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा है, सभी अपनी क्षमता को पहचानें। हर व्यक्ति में कोई ना कोई एक विशेष गुण होता है, उसे पहचान करना जरुरी है। ज्ञानगुड़ी में शिक्षा ग्रहण कर विभिन्न क्षेत्र में सेलेक्ट होकर अच्छी जगह पर पहुंचे। चित्रकोट विधायक विनायक गोयल ने कहा कि ज्ञानगुड़ी से पहले सत्र में बस्तर अंचल के चयनित हुए उन्हे बधाई। सरकार लगातार शिक्षा पर कार्य कर रही है, सरकार ने बस्तर क्षेत्र में मेडिकल, कृषि कालेज, इंजीनियरिंग कॉलेज की सुविधा बढ़ाई है। यहाँ से पढ़ाई किए बच्चे बस्तर अंचल में अपनी सेवाएँ देंगें। ज्ञानगुड़ी ने बच्चों के भविष्य को बेहतर करने का अवसर दिया है। महापौर सफीरा साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ सुशासन के तहत मुख्यमन्त्री के द्वारा शुभारंभ ज्ञानगुड़ी में प्रशासन की पहल पर और ज्ञानगुड़ी के शिक्षकों के मेहनत से 64 बच्चे सलेक्ट हुए। ज्ञानगुड़ी पालकों के सपनों को पुरा करने का माध्यम बना अधिक से अधिक बच्चे इसमें तैयारी करें, सभी बच्चे मन लागाकर पढ़ें-आगे बढ़ें। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा कि ज्ञानगुड़ी संस्था का संचालन आदिवासी अंचल के बच्चों को अन्य बड़े शहरों के बच्चों से प्रतियोगी परीक्षा में प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्लेटफार्म है। ज्ञानगुड़ी में पहले सत्र में 100 और 120 क्रेश कोर्स में 64 छात्रों ने नीट क्वालीफाई किया। बस्तर अब कोटा शहर जैसे प्रवेश परीक्षा तैयारी करवाने में कम नहीं है। कम समय में यहाँ से बच्चे सलेक्ट हो रहे हैं यह बस्तर की प्रतिभावान बच्चों के लिए बहुत अच्छा है। कोई किसी से कम नहीं बस एक सही दिशा देने की जरूरत है। ज्ञानगुड़ी में नीट, बीएससी नर्सिंग, जेईई जैसे प्रतियोगिता परीक्षा के लिए तैयारी करवाई जा रही है। बच्चे संस्था से जुड़े लगन, अनुशासन के साथ पढ़ाई करें और अपने भविष्य को बेहतर बनाए। ज्ञानगुड़ी के दूसरे सत्र में 120 सीट का बैच बनाने का लक्ष्य था किंतु आवेदन अधिक आने के कारण सीट 150 किया गया। इसके लिए 1300 आवेदन आए प्रवेश परीक्षा लिया गया उसमें से 150 को चयनित किया गया।

व्यापार समाचार

पिछले दस वर्षों में भारत के रक्षा निर्यात में तीस गुना से अधिक की रिकॉर्ड बढ़ोतरी

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत ने रक्षा निर्यात में पिछले 10 वर्षों में 30 गुना लंबी छलांग लगाई है, जो वित्त वर्ष 2013-14 के मात्र 686 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड 21,083 करोड़ रुपये हो गया है। यह भारतीय रक्षा उत्पादों और प्रौद्योगिकियों की दुनिया में स्वीकार्यता को दर्शाता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में 85 से अधिक देशों तक निर्यात के साथ, भारत के रक्षा उद्योग ने दुनिया को डिजाइन और विकास की अपनी क्षमता दिखाई है। देश में इस समय लगभग 100 कंपनियां रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रही हैं। रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, सरकार ने मेक इन इंडिया जैसी कई नीतिगत पहल की है और पिछले 10 वर्षों में इसमें कई आर्थिक सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि निर्यात प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है और एंड-टू-एंड ऑनलाइन निर्यात प्राधिकरण के साथ उद्योग-अनुकूल बनाया गया है। जिससे व्यापार करने में आसानी हुई है। इसके अलावा आत्मनिर्भर भारत पहल ने देश में रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण को प्रोत्साहित करके देश की मदद की है। जिससे लंबे समय में आयात पर निर्भरता कम हो गई है। लार्सन एंड टुब्रो, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और भारत फोर्ज जैसी कंपनियां प्रमुख रक्षा उपकरण निर्माता कंपनियों के रूप में उभरने के साथ रक्षा उपकरणों के आपूर्तिकर्ता के रूप में निजी क्षेत्र का उदय हुआ है, जो एक महत्वपूर्ण विकास रहा है। 2023-24 में उत्पादन के कुल मूल्य में लगभग 79.2त्न का योगदान डीपीएसयू/अन्य पीएसयू द्वारा और 20.8त्न निजी क्षेत्र द्वारा किया गया है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि डीपीएसयू/पीएसयू और निजी क्षेत्र दोनों ने रक्षा उत्पादन में लगातार वृद्धि दर्ज की है। भारत के रक्षा उत्पादों के निर्यात में मिसाइलें, रडार, नौसेना प्रणाली, हेलीकॉप्टर और निगरानी उपकरण शामिल हैं।

एसबीआई का ग्राहकों को बड़ा झटका, महंगा हुआ ब्याज

मुंबई(एजेंसी)। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी बेंचमार्क सीमांत लागत ऋण दर (एमसीएलआर) में 0.05 प्रतिशत से 0.10 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी। बैंक के इस कदम से एमसीएलआर आधारित ऋणों की ब्याज दरों में भी इजाफा होगा। एक महीने के ऋण पर एमसीएलआर 0.05 प्रतिशत बढ़कर 8.35 प्रतिशत हो गई है। तीन महीने की अवधि के ऋण पर यह 0.10 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 8.40 फीसदी पर है। छह महीने, एक साल और दो साल के ऋण के लिए एमसीएलआर 0.10 प्रतिशत बढ़ाकर क्रमश: 8.75 प्रतिशत, 8.85 प्रतिशत और 8.95 प्रतिशत कर दी गई है। तीन साल के ऋण के लिए एमसीएलआर में 0.05 फीसदी की वृद्धि हुई है और यह अब 9 प्रतिशत होगी। इससे पहले जून में भी एसबीआई ने एमसीएलआर में 0.10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। एमसीएलआर न्यूनतम ब्याज दर है जिससे कम पर बैंक ऋण नहीं दे सकता। ज्यादातर कॉर्पोरेट ऋण एमसीएलआर आधारित होते हैं जबकि खुदरा ऋण रेपो दर पर आधारित होते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस साल फरवरी से रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। आम तौर पर ब्याज दरों के मामले में दूसरे बैंक एसबीआई का अनुसरण करते हैं। इस कारण अब दूसरे बैंकों के कर्ज भी महंगे होने की संभावना है।

जून में 23 .8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा भारत में इक्विटी म्यूचुअल फंड का एयूएम

मुंबई(एजेंसी)। इक्विटी म्यूचुअल फंड की प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) 8.27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ जून में 23,84,727 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो मई में 22,02,497 करोड़ रुपये थी। इसका सोमवार को जारी एक रिपोर्ट से पता चला है। प्रभुदास लीलाधर की धन प्रबंधन शाखा पीएल वेल्थ मैनेजमेंट की रिपोर्ट में कहा गया है कि जून महीने में लगभग 57 प्रतिशत फंड अपने संबंधित बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम थे। यह रिपोर्ट 281 ओपन-एंडेड इक्विटी डायवर्सिफाइड फंडों के अध्ययन पर आधारित थी। जून में बेहतर प्रदर्शन करने वाले फंडों की कुल संख्या 159 थी। इसमें मल्टी-कैप फंड सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली थी, जहां 75 प्रतिशत योजनाओं ने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि इसके बाद फोकस्ड फंड्स और मिड-कैप फंडों की योजनाएं थी, जिन्होंने जून के दौरान अपने संबंधित बेंचमार्क से क्रमश: 64 प्रतिशत और 62 प्रतिशत बेहतर प्रदर्शन किया। इसमें कहा गया है कि लार्ज-कैप फंड सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली फंड श्रेणी थी, जिसका प्रदर्शन बेंचमार्क से केवल 32 प्रतिशत अधिक था। इस बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई की पहली छमाही के दौरान भारतीय इक्विटी में 15,352 करोड़ रुपये का निवेश किया।

'मेरा बलम थानेदार' में बरखा बिष्ट ने रहस्यमयी महिला के रूप में एंट्री लेकर हंगामा बरपा दिया है

मुंबई। कलर्स का मनोरंजक पारिवारिक ड्रामा 'मेरा बलम थानेदार' एक अजीब बदलाव के साथ कहानी में मिठास घोलने वाला है। अपनी दिलचस्प कहानी के लिए प्यार बटोरने के बाद, आईपीएस अधिकारी वीर (शगुन पांडे) और उत्साही बुलबुल (श्रुति चौधरी) के वैवाहिक सफर को दर्शाने वाला, यह शो मीठी माई के रूप में अभिनेता बरखा बिष्ट का स्वागत करेगा। मीठा मीठा बोलो के तकियाकलाम के साथ, शो की यह नई सदस्य भगवान कृष्ण को समर्पित एक सुंदर गॉडवुमन है, जिसके एक हाथ में बांसुरी और दूसरे हाथ में टॉफी से भरी थैली है। एक साल की गहन तपस्या करने के बाद, मीठी माई अपने अजमेर आश्रम में लौट आती है, जिनके पीछे उनकी चमत्कारी प्रार्थनाओं की कसम खाने वाले भक्तों का जत्था है। ऐसा लगता है कि भगवान कृष्ण के मन में इस संत के लिए विशेष स्थान है, जिन्होंने उसे ऐसी अद्भुत शक्तियों का आशीर्वाद दिया है जो हर किसी को उनके सामने नतमस्तक और हैरान कर देता है। क्या उनके रहस्यमय तरीके वीर और बुलबुल के पहले से ही अस्त-व्यस्त ज़िंदगी में और भी उथलपुथल मचाएंगे? इसके अलावा, क्या वह वाकई चमत्कार करती हैं या फिर यह बस ढोंग है? यह तो आने वाला समय बताएगा।

क्या बीसीसीआई टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान भेजेगी?

नई दिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड लगातार टीम इंडिया को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अपने मुल्क बुलाने के लिए दबाव बना रहा है। जबकि, भारतीय टीम का पाकिस्तान की यात्रा करना लगभग असंभव है। बीसीसीआई ने इस मुद्दे पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। हालांकि, बीसीसीआई ने इस बात पर कड़ा रुख दिखाया है कि क्रिकेट खेलने के लिए पाकिस्तान जाने का निर्णय पूरी तरह से भारत सरकार का फैसला होगा। पिछले साल भारत ने एशिया कप के लिए पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था और फाइनल समेत अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे। उस समय एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान के पास थी, लेकिन भारत के कारण पाकिस्तान को श्रीलंका के साथ मेजबानी साझा करनी पड़ी। पाकिस्तान में 28 साल बाद कोई आईसीसी टूर्नामेंट आयोजित होने जा रहा है। पीसीबी अच्छी तरह वाकिफ है कि अगर उसे टूर्नामेंट की पूरी मेजबानी अपने पास रखनी है, तो भारतीय टीम का पाकिस्तान आना जरूरी है। इसलिए पीसीबी इस बार मेजबानी पूरी तरह अपने पास रखने के लिए भारत को अपने देश बुलाने की हर मुमकिन कोशिश कर रही है। टीम इंडिया के पाकिस्तान जाने का मुद्दा गर्म हो चुका है। लगातार दूसरे टूर्नामेंट की पूरी मेजबानी हाथ से जाती हुई देख रही पीसीबी बौखला गई है और बीसीसीआई से लिखित में जवाब मांग लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पीसीबी चाहता है कि बीसीसीआई लिखित सबूत दे कि भारत सरकार ने सुरक्षा कारणों से यात्रा प्रतिबंध का हवाला देते हुए अगले वर्ष टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी है। इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हाइब्रिड मॉडल के किसी भी विचार को खारिज करते हुए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को पूरी तरह से अपने देश में आयोजित करने पर कड़ा रुख अपनाया है। पीसीबी ने कथित तौर पर धमकी दी है कि अगर भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार करती है, तो वह भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2026 टी20 विश्व कप से बाहर हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी पाकिस्तान में पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी पर कायम है और 19-22 जुलाई तक कोलंबो में आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान किसी भी हाइब्रिड मॉडल प्रस्ताव का विरोध करेगा। जबकि, बीसीसीआई ने आईसीसी से चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हाइब्रिड मॉडल लागू करने का अनुरोध करने का संकेत दिया है, जिससे भारत अपने मैच किसी न्यूट्रल वेन्यू में खेल सके। पीसीबी ने भारत के मैचों को ध्यान में रखते हुए आईसीसी को अपना ड्राफ्ट शेड्यूल सौंप दिया है।

ऋषभ पंत के बाद अक्षर पटेल संभाल सकता है दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी

नई दिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल 2025 के ऑक्शन की तारीखें भी सामने नहीं आई हैं और टीमें बदलाव की ओर देखने लगी हैं. दिल्ली कैपिटल्स की बात करें तो अब रिकी पोंटिंग टीम के हेड कोच नहीं होंगे. वहीं, अब रिपोर्ट्स के हवाले से एक ऋषभ पंत से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है. दावा किया जा रहा है कि मेगा ऑक्शन से पहले पंत दिल्ली से अलग हो सकते हैं. ऐसे में फैंस के जहन में सवाल आ रहा है कि यदि ये अफवाह सही साबित होती है, तो अब दिल्ली कैपिटल्स का अगला कप्तान कौन होगा? आईपीएल 2024 में ऋषभ पंत ने इंजरी से वापसी की और दिल्ली की कमान संभाली थी, लेकिन वह कुछ खास नहीं कर सके और दिल्ली कैपिटल्स ने 6वें नंबर पर रहते हुए टूर्नामेंट खत्म किया था. लेकिन, अपकमिंग मेगा ऑक्शन से पहले दिल्ली ने बड़ा बदलाव किया और रिकी पोंटिंग को हेड कोच के पद से हटा दिया. वहीं एक और बड़ी खबर सामने आ रही है कि कप्तान ऋषभ पंत भी आईपीएल 2025 से पहले ही टीम का साथ छोड़ सकते हैं. जी हां, सोशल मीडिया पर दावा किया है कि ऋषभ पंत आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले दिल्ली कैपिटल्स को छोड़ देंगे. हालांकि, अब तक इसे लेकर कोई ऑफिशियल अपडेट सामने नहीं आई है. ऋषभ पंत के दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी छोड़ने वाली अफवाह सही साबित होती है, तो सवाल उठता है कि दिल्ली का अगला कप्तान कौन होगा?

लाखों प्रशंसकों ने वडोदरा में घर वापसी पर हार्दिक पांड्या का विजय परेड में किया स्वागत

वडोदरा(एजेंसी)। यूएसए और वेस्ट इंडीज में आयोजित आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद स्वदेश लौटे स्थानीय खिलाड़ी हार्दिक पांड्या की विजय परेड के लिए शहर की सड़कों पर 3.5 लाख से अधिक लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। 5.5 किलोमीटर के क्षेत्र में लोगों का जमावड़ा था और जिस वाहन से वह यात्रा कर रहे थे वह घंटों तक सड़कों पर रेंगता रहा और बड़ी संख्या में प्रशंसक पांड्या की जय-जयकार कर रहे थे। यह एक इलेक्ट्रिक स्वागत और विजय परेड थी जहां शहर की प्रमुख सड़कों पर हार्दिक, हार्दिक के नारे सुने जा सकते थे। अपने संक्षिप्त भाषण में, पांड्या ने वडोदरा के लोगों को हमेशा उनका समर्थन करने और उन पर दृढ़ विश्वास रखने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बड़ौदा पुलिस और सभी स्वयंसेवकों को भी धन्यवाद दिया जिन्होंने भीड़ को नियंत्रित किया और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की। यह एक ऐसी शाम थी, जिसके जैसी बात किसी और शाम में नहीं थी। जैसे ही वाहन परेड से गुज़रा, हर अपार्टमेंट इमारत और हर बालकनी लोगों से भर गई जो हाथ हिला रहे थे और उसका नाम चिल्ला रहे थे। प्रशंसक अपने हार्दिक भाई की एक झलक पाने के लिए छतों से लेकर किसी भी संरचना पर डटे हुए थे। जब उनकी कार शहर की खचाखच भरी सड़कों से गुज़र रही थी, तो सैकड़ों बाइकें उनके पीछे चल रही थीं। बस पुराने शहर (मांडवी) के केंद्र से शुरू हुई और 3.5 से 4 किमी के मार्ग पर अपनी परेड अकोटा में समाप्त की, जहां भीड़ पड़ोसी मैदान में फैल गई और जश्न जारी रखा। यह रोड शो मुंबई में हुए रोड शो के बाद हुआ, जिसमें नायकों की पूरी टीम के कप लेकर लौटने का जश्न मनाने के लिए 3 लाख लोग आए थे।

मर्सिडीज़-बेंज ने अपना लोकप्रिय 'विशबॉक्स' फाईनेंशल कैम्पेन शुरू किया

पुणे: भारत के सबसे डिज़ायरेबल लग्ज़री कार निर्माता, मर्सिडीज़-बेंज ने आज मर्सिडीज़-बेंज खरीदने के इच्छुक ग्राहकों के लिए अपना लोकप्रिय 'विशबॉक्स' कैम्पेन शुरू किया। इसके अंतर्गत मर्सिडीज़-बेंज ने 'विशबॉक्स' द्वारा ग्राहकों को एक नया और आसान फाईनेंशल समाधान प्रदान किया है, जिसमें 'स्टेप-अप ईएमआई', 'ज्यादा वार्षिक पेआउट के साथ कम ईएमआई' और 'ईएमआई होलिडे' जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके द्वारा ग्राहकों को अपनी फाईनेंशल जरूरतों के अनुरूप कस्टमाईज़्ड फाईनेंशल समाधान मिलते हैं। विशबॉक्स का उद्देश्य इनोवेटिव मोबिलिटी समाधानों के साथ मर्सिडीज़-बेंज खरीदना आसान बनाना और इसे खरीदने का सपना पूरा करना है। इस अभियान के साथ प्रबुद्ध ग्राहकों की आकांक्षाओं के अनुरूप इनोवेटिव और व्यक्तिगत ओनरशिप का अनुभव प्रदान करने की मर्सिडीज़-बेंज की प्रतिबद्धता आगे बढ़ रही है।

जेएसडब्यूत्प एमजी मोटर इंडिया की जेडएस ईवी की बिक्री तिमाही आधार पर 95 प्रतिशत बढ़ी

नईदिल्ली। जेएसडब्यूं द एमजी मोटर इंडिया ने भारत की पहली शुद्ध इलेक्ट्रिक इंटरनेट एसयूवी जेडएस ईवी के माध्यईम से अपनी एनईवी (न्यू एनर्जी व्हीकल) यात्रा में एक महत्व्पूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जेडएस ईवी ने अबतक की सबसे ज्योदा मासिक बिक्री का रिकॉर्ड बनाया है। जेडएस ईवी की बिक्री 2024 की पहली तिमाही की तुलना में 2024 की दूसरी तिमाही में 95 प्रतिशत बढ़ी है, जो भारत में ईवी खरीदारों के बीच इसकी बढ़ती लोकप्रियता को प्रदर्शित करता है। उल्लेखनीय है कि, जून में कंपनी की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेकदारी 40 प्रतिशत रही, जो एमजी ईवी की बढ़ती मांग और अधिक ग्राहक स्वीीकृति और संतुष्टि और जेडएस ईवी की और आकर्षणको उजागर करती है। जेएसडब्यूईवी एमजी मोटर इंडिया की जून एनईवी बिक्री सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़ी है, जिससे इस श्रेणी के लिए कंपनी की रणनीति और अधिक मजबूत हुई है। विनिर्माता के ओवरऑल एनईवी खंड ने 2024 की पहली तिमाही की तुलना में 2024 की दूसरी तिमाही में 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो इसके इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी आने की ओर इशारा करता है। कंपनी हरित भविष्यल का समर्थन करने के लिए उन्नोत टेक्नोतलॉजी और एनईवी बुनियादी ढांचे में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। उनका ध्याहन ग्राहकों को अत्यांधुनिक एनईवी उपलब्धज कराने पर केंद्रित है, जो दक्षता, प्रदर्शन और स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं। सतिंदर बाजवा, चीफकमर्शियल ऑफिसर, जेएसडब्यो द एमजी मोटर इंडिया, ने कहा, हमारे इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो के विस्तानर पर हमारा ध्यानि सकारात्मिक परिणाम दे रहा है, इसका प्रमाण एमजी ईवी की मजबूत बिक्री प्रदर्शन से मिलता है। उन्होंने आगे कहा, हमारी कुल बिक्री में एनईवी का महत्वरपूर्ण योगदान टिकाऊ गतिशीलता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। हम भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की दिशा में बदलाव का समर्थन करने और अपने ग्राहकों को नवीन और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन समाधान उपलब्ध् कराने के लिए समर्पित हैं। मजबूत बिक्री आकंड़ों के अलावा, जेएसडब्यूरण एमजी मोटर इंडिया ने भारत के एनईवी क्षेत्र में अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने और देश के ईवी बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने और इसे बढ़ावा देने में योगदान देने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। 6-वे चार्जिंग और अपने ईकोसिस्टेम पार्टनर्स के साथ, जेएसडब्यूग्र एमजी इंडिया ने सार्वजनिक और घरेलू चार्जर सहित देशभर में 15,000 से ज्या दा चार्जिंग टचप्वाअइंट स्थामपित किए हैं। कार निर्माता भारत में नई पीढ़ी के इंटेलिजेंट कनेक्टेहड आईसीई और एनईवी सहित ऑटोमोबाइल उत्पानदों का एक विश्वि स्त रीय प्रौद्योगिकी-सक्षम भविष्यट बनाने पर ध्या न केंद्रित कर रही है। ईवी पर विशेष ध्याान देने के साथ, कंपनी व्यातपक स्थारनीयकरण के साथ अपने संयंत्र में सेल विनिर्माण के साथ-साथ बैटरी असेंबली शुरू करने और उत्पा दन बढ़ाने पर भी विचार कर रही है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2
(छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

दिनांक 12.07.2024

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा 'डी' श्रेणी एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है. ऑनलाईन निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 01.08.2024 है.

एन.आई.टी. क्र./ निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT No. 274 Tender No. 156014	जिला धमतरी वि.खं. नगरी के बेलरगांव में तहसील कार्यालय भवन का निर्माण कार्य.	रु. 63.81 लाख
NIT No. 275 Tender No. 156015	जिला महासमुन्द के उपसंभाग क्र.-2 महासमुन्द अंतर्गत विभिन्न 23 ग्रामीण मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेंच मरम्मत कार्य.	रु. 39.96 लाख
NIT No. 276 Tender No. 156016	जिला धमतरी के नगरी अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न राज्य मार्ग एवं जिला मार्गों में वार्षिक संधारण कार्य अंतर्गत बी.टी. पेंच मरम्मत कार्य.	रु. 78.78 लाख
NIT No. 277 Tender No. 156017	जिला महासमुन्द के उपसंभाग सरायपाली अंतर्गत सिविल कोर्ट सरायपाली में न्यायालयीन अधिकारियों के लिये 'डी' टाईप आवास गृह का निर्माण कार्य बजट अंतर्गत.	रु. 68.14 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है. (राशि रु. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ पत्र एवं न्यूनतम राशि रु. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र बिडकेपेसीटी उपलब्धता बाबत् जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें.)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा.

G- 242501103/6

Credible Chhattisgarh
विश्वसनीय छत्तीसगढ़

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., रायपुर
मण्डल क्र. 2 (छ.ग.)

MATS UNIVERSITY

ready for life.......

NAAC ACCREDITED UNIVERSITY

APPROVALS & RECOGNITIONS

UGC | AICTE | BCI | PCI
NCTE | AIU | CGPURC

Microsoft IT Academic Partner — CG'S ONLY AUTHORISED MICROSOFT INNOVATION CENTRE | LAZARSKI | ORACLE | ima — The Association of Accountants and Financial Professionals in Business | EAST CAROLINA UNIVERSITY — TIE-UP WITH EAST CAROLINA UNIVERSITY, USA | CLAT COMMON LAW ADMISSION TEST | NATIONAL LAW SCHOOL OF INDIA UNIVERSITY Bangalore | UNIVERSITY OF APPLIED SCIENCES IN NYSA | nlu MUMBAI | Patna Law College | NPTEL | BOSCH

Unlock Your Future

Begin Your Journey with Us Today!

NEP 2020

4 Year Undergraduate Program with an Option to Exit at 3rd year with 3-year Degree

Multiple Entry and Exit Option : 1st Year Exit with Certificate 2nd Year Exit with Diploma

Emphasis on Skill Development and Vocational Training

Flexibility for Students to Choose Learning Paths and Programs Based on their Needs

Exposure to Life Skills, Ethics, Human Values and the Indian Knowledge System

Integration of Projects, Internships and Apprenticeships in the Curriculum

Introducing National Education Policy 2020 from Academic Session 2024

FOR ADMISSION - APPLY ONLINE VISIT : www.matsuniversity.ac.in

School of Engineering
M.Tech.
Computer Science Engineering
Turbo Machinery
Power Electronics
Computer Aided Structural Engineering
B.Tech. Hons.
Computer Science Engg.(IOT, AI & ML)
Aeronautical Engg. (UAV)
Mechanical Engg. (ROBOTICS & ENERGY)
Mining Engg. (MINERAL PROCESSING)
Civil Engg. (CONS. MGMT. & GREEN TECH.)
B.Tech.
Computer Science Engineering
Aeronautical Engineering
Mechanical Engineering
Mining Engineering
Civil Engineering
Diploma
Mechanical Engineering
Civil Engineering
Admission Help Line : 7389356989, 9109951182

School of Business Studies
M.Com.
B.Com. (Hons.)
B.Com. (Land Transportation)
Admission Help Line : 7389376989

School of Research Studies
Ph.D.
in various streams
Admission Help Line : 9109994500

School of Management
M.B.A. Marketing/HR/Fin. (Dual Spe.)
B.B.A. (Hons.) Marketing/HR/Fin.
B.B.A. (Logistics)
Admission Help Line : 9109913111

School of Information Technology
M.C.A.
Specialization in AI/ Data Science
M.Sc. (CS)
P.G.D.C.A.
B.Sc.
Animation & Graphic Designing
B.C.A.
Specialization in AI/ Data Science
D.C.A.
Admission Help Line : 9109951181

School of Fashion Designing & Technology
M.Design
B.Sc. (Hons.)
Fashion Designing & Technology
Interior Design & Decoration
Admission Help Line : 9109951183

School of Education
M.A. Education
B.Ed.
Admission Help Line : 9109951184

Law School
LL.M.
B.A. LL.B.
LL.B.
Admission Help Line : 9109997900

School of Sciences
M.Sc.
Microbiology/ Chemistry
Botany/ Zoology/ Mathematics
B.Sc.
Biotechnology/ Microbiology
Forensic Science/ CBZ/ PCM
Admission Help Line : 9109991032

School of Library & Information Science
M.Lib.I.Sc.
B.Lib.I.Sc.
Admission Help Line : 9109991031

School of Physical Education
M.A. Yoga
B.P.Ed.
P.G.D.Y.Ed.
Admission Help Line : 9755199381

Department of Social Work
M.S.W.
Specialization :
1. Community Development
2. Medical & Psychiatry
Admission Help Line : 9109994500

School of Pharmacy
B.Pharmacy
D.Pharmacy
Admission Help Line : 9755199381

School of Arts & Humanities
Department of Psychology
M.Sc. Psychology
M.A. Psychology
P.G.D.G.C.
PG Dip. in Guidance & Counseling
B.Sc. (Hons.) Applied Psychology
B.A. (Hons.) Applied Psychology
Admission Help Line : 7471180268

Department of Hindi
M.A. - Hindi/ Political Science
B.A. History/ Political Science/ Social Science
B.A. (Hons.)
Hindi with Journalism & Tourism
Diploma
Journalism & Mass Communication
Admission Help Line : 7880001773

Department of English
M.A. - English
B.A. (Hons.)
English with Mass Communication
Admission Help Line : 9752942949

FOR DETAILS CALL : 1800 123 819999

ADMISSION OFFICE : RAIPUR CAMPUS, MATS TOWER, PANDRI, RAIPUR, CG, 492 004
UNIVERSITY CAMPUS : AARANG KHARORA HIGHWAY, AARANG, RAIPUR, CG, 493 441
Tel : 0771 4078995, 96, 98 **Mob:** 9109951184, 9755199381, 9109994500 **Email :** admissions@matsuniversity.ac.in

SCAN FOR VIRTUAL TOUR OF MATS UNIVERSITY